दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास...

3 राज्य, 3 कहानियां और प्यार के नाम ...8

बलरामपुर
गुरुवार, 19 फरवरी 2026
वर्ष: 05 अंक : 138 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

दिल्ली में पीएम मोदी से मिले गूगल सीईओ सुंदर पिचाई, एआई समिट पर हुई बड़ी चर्चा

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई बुधवार को दिल्ली पहुंचे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले, क्योंकि इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 शुरू हो गया है। वे इस बड़े इवेंट में शामिल होने के लिए यहां आए हैं, और रिपोर्ट के मुताबिक, वे 20 फरवरी को एक कीनोट स्पीच देंगे। देश में आने के कुछ ही समय बाद, पिचाई ने एक्स (पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था) पर पोस्ट किया कि वे वापस आकर खुश हैं और उन्होंने सभी को गर्मजोशी से स्वागत के लिए धन्यवाद दिया। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026, 16

फरवरी से 20 फरवरी तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में हो रहा है। यह ग्लोबल साउथ में इतने बड़े लेवल पर होने वाला पहला ग्लोबल एआई समिट है। दुनिया भर से कई पॉलिसीमेकर, ग्लोबल टेक्नोलॉजी लीडर, स्टार्टअप, एआई रिसर्चर, एकेडेमिशियन, इनोवेटर, हेल्थकेयर लीडर और सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधि अपने इनोवेशन शेयर करने के लिए आए हैं। इसमें 110 से ज्यादा देश और लगभग 30 इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें कई हेड ऑफ स्टेट और मिनिस्टर शामिल हैं। एआई समिट का मकसद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर ग्लोबल सहयोग को मजबूत करना है, और न सिर्फ भारत में बल्कि दुनिया भर में गवर्नेंस, सेफ्टी और बड़े सामाजिक असर पर फोकस करना है। 'लोग, प्लैनेट, प्रोग्रेस' पर फोकस: यह समिट तीन चीजों के बारे में हैरू लोग, प्लैनेट और प्रोग्रेस। इसका मतलब है कि एआई बनाते समय इंसानों को पहले रखना, यह पक्का करना कि हमारी टेक पर्यावरण की मदद करे, और ऐसी ग्रोथ को बढ़ावा देना जिसमें सभी शामिल हों। यह भारत की अपनी सोचरू सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय से मेल खाता है, जो सभी की भलाई और खुशी के बारे में है। इसका मकसद एआई का इस्तेमाल करके इंसानियत की मदद करना और इसके फायदे दुनिया भर में शेयर करना है।

एआई और मौकों पर पीएम मोदी ने खुलकर बात की

पीएम मोदी का कल एएनआई ने इंटरव्यू लिया, जिसमें उन्होंने एआई और युवाओं के लिए इसके फायदों के बारे में खुलकर बात की, खासकर जब IT सेक्टर की बात हो। उन्होंने कहा कि उन्हें एआई में मौके और चुनौतियों के लिए बहुत पोटेंशियल दिखता है। उनके हिसाब से, स्मार्ट आउटसोर्सिंग और ऑटोमेशन एआई से पावर्ड हैं जो भारत की प्ज इंडस्ट्री को 2030 तक **USD** 400 बिलियन तक पहुंचाने में मदद कर सकते हैं। उन्हें लगता है कि एआई सब कुछ बदल देगा और कंपनियों को सिर्फ आम सर्विसेज से आगे बढ़कर कटिंग–एज, एआई–ड्रिवन सॉल्यूशन बनाने के लिए मोटिवेट करेगा। यह समिट निश्चित रूप से भारतीय एआई डेवलपमेंट में एक माइलस्टोन जैसा लगता है। यह आगे बढ़ रहा है और दुनिया को दिखा रहा है कि हमारा देश जिम्मेदार, इनक्लूसिव एआई और आगे के डेवलपमेंट में लीड करने के लिए तैयार है।

भाजपा ने राहुल गांधी से पूछा, कपिल सिब्बल ने क्यों स्वीकारा एपीस्टीन का पुरस्कार?

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से सवाल किया कि कांग्रेस पार्टी के सत्ता में रहते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने यौन अपराध के दोषी जेफ्री एपीस्टीन की ओर से प्रायोजित पुरस्कार क्यों स्वीकार किया था। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने बुधवार को कहा, श्शराहुल गांधी को यह बताना चाहिए कि जब कांग्रेस पार्टी सरकार में थी, तो उनके मंत्री कपिल सिब्बल ने एक यौन शिकारी जेफ्री एपीस्टीन के दिए पुरस्कार को क्यों स्वीकार किया?श्उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के विदेश विभाग के प्रमुख और गांधी परिवार के करीबी सहयोगी सैम पित्रोदा श्श्उसी सर्किल से जुड़े हुए हैंश्श और गांधी परिवार के एपीस्टीन के साथ संबंधों की प्रकृति पर सवाल उठाया। गांधी वाड्रा परिवार और राहुल गांधी के परिवार का जेफ्री एपीस्टीन के साथ क्या संबंध हैं कि सरकार में रहते हुए कपिल सिब्बल ने वह पुरस्कार स्वीकार किया?श्श

दो करोड़ युवाओं को ट्रेनिंग, अरबों डॉलर का निवेश और बंपर जॉब्स

भारत में AI डेवलप के लिए कंपनियों ने खोली तिजोरी

नई दिल्ली। भारत में एआई के ढांचागत विकास और इस क्षेत्र में उसके सिरमौर बनने के सरकार के सपने को पूरा करने की दिशा में इंडिया एआई इंपैक्ट समिट–2026 मील का पत्थर बनता दिख रहा है। सम्मेलन के तीसरे ही दिन देश–दुनिया की दिग्गज टेक कंपनियों ने निवेश के लिए अपनी तिजोरी खोल दी है। ये कंपनियां एआई के क्षेत्र में भारत को एक बड़े केंद्र के रूप में देख रही हैं। एआई में उज्ज्वल भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए गूगल, माइक्रोसाफ्ट, क्वालकॉम, एनवीडिया जैसी दिग्गज कंपनियों ने भारी निवेश का वादा किया है। गूगल के

सीईओ सुंदर पिचाई ने भारत की एआई क्षमता पर बड़ा दांव लगाते हुए बुधवार को भारत और अमेरिका के बीच एआई कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए नए सब–सी केबल रूट की घोषणा की। साथ ही उन्होंने दो करोड़ सरकारी कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने और 1.1 करोड़ छात्रों को सहायता देने की भी घोषणा की। समिट में शामिल होने आए पिचाई ने मीडिया से बातचीत में कहा कि आंध्र प्रदेश के विजाग में हाल ही में घोषित 15 अरब डॉलर के एआई हब में एक गीगावाट–स्केल कंप्यूट फैसिलिटी और एक इंटरनेशनल सब–सी केबल गेटवे होगा। माइक्रोसॉफ्ट के वाइस चेयर और प्रेसिडेंट ब्रैड स्मिथ ने एक्स पर कहा, श्शमाइक्रोसाफ्ट इस दशक के आखिर तक ग्लोबल साउथ के देशों में एआई लाने में सहायता के लिए 50 अरब डॉलर निवेश करने जा रहा है। हमारा पांच चरण का कार्यक्रम एआई को बड़े पैमाने पर हकीकत में तब्दील करने के लिए डिजाइन किया गया है, ताकि लोगों के पास एआई को एक्सेस करने, उस पर भरोसा करने और उसे स्थानीय प्राथमिकताओं पर लागू करने के लिए आवश्यक चीजें हों और वे प्रगति को ट्रैक कर सकें।ष ष्इसमें भारत में वर्ष 2025 में 56 लाख लोगों को और 2030 तक दो करोड़ भारतीयों को प्रशिक्षत करने का लक्ष्य शामिल है। इसमें माइक्रोसाफ्ट एलिवेट फॉर एजुकेटर्स के जरिये दो लाख से अधिक स्कूलों में 20 लाख अध्यापकों की सहायता करना शामिल है। कंपनी ने कहा कि उसने पिछले वित्तीय वर्ष में ग्लोबल साउथ को सेवा देने वाले डाटासेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर में आठ अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया, जिनमें भारत, मैक्सिको, अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका, दक्षिणपूर्व एशिया और पश्चिम एशिया के देश शामिल हैं।

फैमिली ट्रैवल की आड़ में हिरोईन तस्करी, 7.5 करोड़ की ड्रग्स के साथ पति–पत्नी गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एंटी–नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने दिल्ली–एनसीआर में भोपुरा बॉर्डर के पास एक इंटरस्टेट हेरोइन कार्टेल का भंडाफोड़ किया है। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि इस कार्टेल से 7.5 करोड़ रुपये की 1.504 ाह हेरोइन जब्त की गई है। साथ ही, तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इन लोगों में एक पति–पत्नी भी शामिल हैं। ये लोग फैमिली ट्रैवल की आड़ में टैक्सी में ड्रग्स ले जा रहे थे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, पति–पत्नी और ड्रग्स लेने वाले समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, कपल ने फैमिली ट्रैवल की आड़ में टैक्सी में हेरोइन ले जाई और आम लोगों में घुल–मिलकर रिस्क से बच गए।

पश्चिम बंगाल में बीजेपी का चुनावी शंखनाद, 9 परिवर्तन यात्राओं के साथ शुरू होगा मेगा कैंपेन

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव पास आने के साथ ही, भारतीय जनता पार्टी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं, और राज्य के अलग–अलग हिस्सों से नौ परिवर्तन रथ यात्राएं शुरू करने का प्लान बनाया है। यह बीजेपी के 2021 के चुनाव कैंपेन जैसा ही है। यात्रा का पहला फेज 1 मार्च को कूच बिहार साउथ, कृष्णानगर साउथ गढ़बेता और रायदिघी कुल्टी से शुरू होगा। दूसरा फेज 2 मार्च को इस्लामपुर, संदेशखली, हासन और अमता से शुरू होगा। होली के मौके पर 3 और 4 मार्च को कोई यात्रा नहीं निकाली जाएगी। कैंपेन 5 मार्च को फिर से शुरू होगा। 5 से 10 मार्च के बीच, **BJP** हर विधानसभा सीट पर 5,000 ाउ से ज्यादा की यात्रा करेगी।

निजीकरण के मुद्दे पर यूपी विधान परिषद में हंगामा, सपा का बहिर्गमनय श्रम मंत्री ने विपक्ष के आरोपों को बताया बेबुनियाद

लखनऊ। विधान परिषद में निजीकरण के मुद्दे को लेकर विपक्ष ने सत्ता पक्ष को घेरा। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव, आशुतोष सिन्हा व डॉ. मानसिंह यादव सहित सपा के अन्य सदस्यों ने आरोप लगाया कि युवाओं को स्थायी रोजगार देने का वादा कर सरकार निजीकरण की नीति लागू कर रही है। हकीकत यह है कि न तो युवाओं को रोजगार मिल रहा है और न ही आर्थिक सुरक्षा। निजीकरण के बाद सरकारी व सार्वजनिक क्षेत्र में नियमित भर्तियां घट रही हैं। नियमित पद समाप्त हो रहे हैं। श्रम मंत्री अनिल राजभर ने विपक्ष ने आरोपों को बेबुनियाद बताया। उन्होंने पिछले करीब नौं वर्षों में दी गई नौकरियों का आंकड़े पेश करते हुए कहा कि हमारी सरकार ने सबसे ज्यादा नौकरियां दी हैं। विपक्ष इस मुद्दे को लेकर सदन को गुमराह कर रहा है। इस दोनों पक्षों में जमकर बहस हुई और सपा के सदस्यों ने सदन का बहिर्गमन किया।

कांग्रेस में गांधीवादी अे राहुलवादी की जंग?

अय्यर के बयान पर किरेन रिजिजू का तीखा वार

नई दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर के राहुलवादी नहीं वाले बयान के बाद कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में पार्टी लगातार कमजोर होती जा रही है। अय्यर के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कि वे ष्गांधीवादी, नेहरूवादी, राजीववादी हैं, लेकिन राहुलवादी नहींष, रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस, जिसका नेतृत्व कभी परिपक्व नेताओं ने किया था, अब राहुल गांधी जैसी हो गई है और उनके आसपास के लोग भी उन्हीं का अनुसरण कर रहे हैं। उन्होंने लगातार तीन हार के बाद भी उसी नेता को बनाए रखने पर आश्चर्य व्यक्त किया। एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस में मजबूत नेता हुआ करते थे, जिनके भाषण और कार्यों में परिपक्वता होती थी। लेकिन धीरे–धीरे कांग्रेस राहुल गांधी जैसी हो गई है और उनके आसपास के लोग भी उन्हीं की तरह हो गए हैं। हमने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि कांग्रेस इस तरह हो जाएगीरू लगातार तीन बार हारने के बाद भी उसी नेता को बनाए रखेगी। भाजपा

का कोई नेता तीन बार हारने के बाद नेता नहीं रह सकता। अय्यर की ये टिप्पणियां आगामी केरल विधानसभा चुनावों पर उनकी टिप्पणियों से उपजे राजनीतिक विवाद के बीच आई हैं। अय्यर ने केरल के मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) की सत्ता में वापसी की भविष्यवाणी की, हालांकि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे (यूडीएफ) की जीत को प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि एक कांग्रेसी होने के नाते, मैं यूडीएफ को सत्ता में देखना चाहता हूं।

एक गांधीवादी होने के नाते, मैं सच कह रहा हूं कि पिनारयी सरकार की शानदार उपलब्धियों के बाद, वाम सरकार का सत्ता में आना तय है। उन्होंने आगे कहा कि केरल के मतदाता भारत के किसी भी अन्य देश के मतदाताओं की तुलना में सबसे बुद्धिमान और सबसे स्वतंत्र विचारक हैं। इसलिए, मैं यूडीएफ को सत्ता में देखना चाहता हूं, लेकिन एक गांधीवादी होने के नाते, जिसे सच बोलना चाहिए, मुझे एलडीएफ के अलावा किसी और के सत्ता में आने की संभावना नहीं दिखती। अय्यर की टिप्पणियों ने विवाद को जन्म दिया, जिसके बाद कांग्रेस ने उनके बयान से खुद को अलग कर लिया और कहा कि अय्यर पार्टी का हिस्सा नहीं हैं। इस पर अय्यर ने कहा कि राहुल गांधी यह भूल गए हैं कि मैं पार्टी का सदस्य हूं। इसलिए, मैं गांधीवादी हूं। मैं नेहरूवादी हूं। मैं राजीववादी हूं, लेकिन मैं राहुलवादी नहीं हूं।

सुप्रीम कोर्ट की इलाहाबाद हाई कोर्ट को फटकार

रेप की कोशिश नहीं वाला विवादित फैसला किया रद्द

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में इलाहाबाद हाई कोर्ट के मार्च 2025 के फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें दो आरोपियों के खिलाफ रेप की कोशिश के आरोपों को कम गंभीर अपराध माना गया था। कोर्ट ने कहा कि हाई कोर्ट ने एक महिला के ब्रेस्ट को पकड़ने, उसके पायजामे का नाड़ा तोड़ने और उसे पुलिया के नीचे खींचने जैसे कथित कामों को गलत तरीके से सिर्फ ष्तैयारीष माना था, न कि रेप करने की ष्कोशिशष। ऐसा करते हुए, टॉप कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर अपील को भी स्वीकार कर लिया है और आरोपी दोनों के खिलाफ च्व्बैव् एक्ट की धारा 18 के साथ प्च्ब् की धारा 376 के तहत रेप की कोशिश के आरोपों पर कासगंज के स्पेशल जज (च्व्बैव्) द्वारा जारी किए गए ओरिजिनल समन को बहाल कर दिया है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और एन.वी. अंजारिया की बेंच ने नेशनल ज्यूडिशियल एकेडमी, भोपाल से सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस अनिरुद्ध बोस की अगुवाई में एक एक्सपर्ट कमेटी बनाने को भी कहा है। यह कमेटी सेक्सुअल ऑफेंस और दूसरे कमजोर मामलों से निपटने के दौरान जजों और ज्यूडिशियल प्रोसेस में ष्सेंसिटिविटी और कम्पैशन पैदा करनेष के मकसद से ड्राफ्ट गाइडलाइंस बनाएगी। कोर्ट ने कहा कि कमिटी यह काम तीन महीने के अंदर पूरा कर लेगी। रेप की कोशिश के मामले में, टॉप कोर्ट इलाहाबाद भ्ब् से सहमत नहीं था और कहा कि असल आरोप तैयारी से कहीं ज्यादा थे। टॉप कोर्ट ने कहा इन आरोपों को सिर्फ देखने से ही इस बात में जरा भी शक नहीं रह जाता कि आरोपी लोग प्च्ब् की धारा 376 के तहत उस पर जुर्म करने के पहले से तय इरादे से आगे बढ़े थे।

हम बार–बार झुकने वाले नहीं

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की केंद्र को चेतावनी, कर डाली ये बड़ी मांग

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बुधवार को तमिलनाडु विधानसभा में संविधान में संशोधन की मांग करते हुए राज्य सरकारों को स्वायत्त निकायों में बदलने की बात कही और केंद्र पर सारी शक्ति अपने पास रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु को ऐसी स्थिति में धकेल दिया गया है जहां उसे अपने हक के फंड पाने के लिए केंद्र सरकार से संघर्ष करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि हम ऐसी स्थिति में हैं जहां हमें हर फंड के लिए केंद्र सरकार से लड़ना पड़ता है। कब तक हम इस स्थिति में रहेंगे जहां वे देते हैं और हम लेते हैं? केंद्र–राज्य संबंधों का अध्ययन करने के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति की रिपोर्ट का पहला भाग विधानसभा में पेश कर दिया गया है। स्टालिन ने कहा कि संविधान में संशोधन करके राज्य सरकारों को पूर्ण रूप से सशक्त सरकारों में बदलना होगा। सभी राज्यों को स्वायत्तता मिलनी चाहिए। हम अभी भी ऐसी स्थिति में हैं जहां हमें भूमि और वित्तीय शक्तियों पर अधिकार सुरक्षित करने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस बात पर जोर दिया कि भारत जैसे विविधतापूर्ण देश के लिए संघवाद आधारशिला है और राज्य सरकारों के परिवर्तन की मांग को दोहराया। उन्होंने केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि उसने राज्य सरकारों का सम्मान किए बिना सारी शक्ति अपने हाथ में ले रखी है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार, जिसने सारी शक्तियां अपने पास रखी हैं, राज्य सरकारों का सम्मान नहीं करती।

संगठन की मजबूती और वैचारिक सुदृढ़ता के लिए भाजपा का प्रशिक्षण महाअभियान शुरू

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा जिला कार्यालय पर श्पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान–2026 के अंतर्गत श्पंच परिवर्तनश कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला प्रभारी हरि चरण कुशवाहा, जिलाध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर दीप प्रज्वलन कर किया। घ्कार्यकर्ताओं में ऊर्जा का संचार करना मुख्य लक्ष्य कन्हैया पासवान कार्यशाला के प्रथम सत्र को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान ने कहा कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से सशक्त बनाना और संगठन की नींव को जमीनी स्तर पर मजबूत करना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी के प्रति अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक पालन करे, जिससे संगठन में नई ऊर्जा का संचार हो सके। राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पण का आह्वान द्वितीय सत्र के मुख्य वक्ता जिला प्रभारी हरि चरण कुशवाहा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए श्व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माणश का मूलमंत्र दिया। उन्होंने कहा कि समर्पण और वैचारिक स्पष्टता ही भाजपा की असली शक्ति है। वहीं, पूर्व विधायक राघवेंद्र सिंह ने कहा कि प्रशिक्षण ही वह माध्यम है जिससे कार्यकर्ता राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित होते हैं। घ्आगामी कार्ययोजना पर चर्चा कार्यशाला के तीसरे सत्र में जिलाध्यक्ष और जिला प्रभारी ने विधानसभा वार मंडल अध्यक्षों के साथ बैठक की और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की। समापन सत्र में सभी कार्यकर्ताओं के साथ सामूहिक भोज का आयोजन किया गया। इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष गण नरेंद्र मणि त्रिपाठी, राम कुमार कुंवर, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष साधना चौधरी, क्षेत्रीय अध्यक्ष (पिछड़ा मोर्चा) शिवनाथ चौधरी, जिला मीडिया प्रभारी निशांत पाण्डेय, अभियान संयोजक दीपक मौर्य, सह–संयोजक मधुसूदन अग्रहरी, बिंदुमती मिश्रा और फूलचंद जायसवाल सहित भारी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लापरवाही पर गिरी गाज : बर्डपुर में 60 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का मानदेय रोका

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बर्डपुर के सभागार में बुधवार को जिला कार्यक्रम अधिकारी (डीपीओ) साहब यादव ने आंगनबाड़ी केंद्रों की केंद्रवार समीक्षा की। बैठक के दौरान कार्यों में शिथिलता और पोषण ट्रैकर एप पर फीडिंग में लापरवाही मिलने पर डीपीओ ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने खराब प्रगति वाली 60 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का मानदेय रोकने के साथ ही 11 अनुपस्थित कार्यकत्रियों से स्पष्टीकरण मांगा है। घ्फीडिंग और पंजीकरण में मिली खामियां घ्समीक्षा बैठक में मुख्य रूप से पोषण ट्रैकर एप पर एफआरएस के माध्यम से राशन वितरण और लाभार्थियों के पंजीकरण की स्थिति जांची गई। डीपीओ ने पाया कि कई केंद्रों पर लाभार्थियों का पंजीकरण मानक से काफी कम है और टीएचआर वितरण का विवरण पोर्टल पर अपडेट नहीं किया गया है। घ्जिन केंद्रों पर लाभार्थियों का पंजीकरण मानक से कम मिलेगा, उन्हें अस्थाई रूप से बंद करने की कार्रवाई की जा सकती है।ष कृ साहब यादव, डीपीओ घ्दो दिन का अल्टीमेटम घ्डीपीओ ने सख्त निर्देश देते हुए सभी कार्यकत्रियों को लंबित टीएचआर वितरण का डेटा फीड करने के लिए दो दिन का समय दिया है। उन्होंने सीडीपीओ बर्डपुर को निर्देशित किया कि दोषी कार्यकत्रियों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए तत्काल पत्रावली प्रेषित करें। घ्इन पर हुई कार्रवाई घ्मानदेय का टीएचआर फीडिंग में रुचि न लेने वाली 60 कार्यकत्रियों का मानदेय अग्रिम आदेश तक रोक दिया गया है। नोटिस जारी बैठक से अनुपस्थित रहने वाली 11 कार्यकत्रियों (बलूहवा से नीरजा, मुडिला प्रथम से रीता पाण्डेय, मुडीला से चंद्रावती, आमा से विद्यावती, महुअरिया से सुमित्रा यादव आदि) को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उपस्थिति बैठक में सीडीपीओ प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, मुख्य सेविका रेनू सिंह, उमा श्रीवास्तव, मंतोष कुमार, प्रतिमा, रीता पाण्डेय सहित अन्य विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किसान दिवस संपन्न, समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद के किसानों की समस्याओं को सुनने और उनके प्रभावी समाधान के लिए आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में शकिसान दिवसश का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी (ब्क्व) बलराम सिंह भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। घशिकायतों का समयबद्ध निस्तारण प्राथमिकता बैठक की शुरुआत में उप कृषि निदेशक ने पिछली बैठक के कार्यवृत्त को पढ़कर सुनाया। उन्होंने अवगत कराया कि पिछली बैठक में प्राप्त अधिकांश शिकायतों का सफलतापूर्वक निस्तारण किया जा चुका है। घजिलाधिकारी ने कार्यक्रम में आए किसानों की समस्याओं को व्यक्तिगत रूप से सुना और उन्हें आश्वस्त किया कि प्रशासन उनके हितों के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं को लिखित रूप में दें, ताकि संबंधित विभागों के माध्यम से उनका विधिवत निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके। अधिकारियों को सख्त निर्देश जिलाधिकारी ने बैठक में अनुपस्थित रहने वाले या लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के प्रति कड़ा रुख अपनाते हुए निर्देश दिया कि घ्अनिवार्य उपस्थितिरू सभी संबंधित विभाग के अधिकारी किसान दिवस में स्वयं उपस्थित रहें। प्रमुख मुद्देरू किसान सम्मान निधि, फार्मर रजिस्ट्री, बिजली बिल, खाद–बीज और सिंचाई से जुड़ी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाए। घ्फसल बीमारू प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लाभार्थियों को उनकी क्षतिपूर्ति की धनराशि तत्काल उनके खातों में प्रेषित की जाए। घ्शत–प्रतिशत समाधान प्राप्त शिकायतों को संबंधित पटल पर भेजकर उनका समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। घ्सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र लाभार्थी तक पहुँचना चाहिए। इसमें किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिवशरणप्पा जीएन, जिलाधिकारी घ्उपस्थिति घ्बैठक के अंत में जिला कृषि अधिकारी द्वारा सभी अधिकारियों और उपस्थित किसानों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस दौरान उप कृषि निदेशक राजेश कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह, जिला कृषि अधिकारी रवि शंकर पाण्डेय, एआर कोआपरेटिव, विद्युत विभाग से अधिशासी अभियंता (नौगढ़) ज्ञान प्रकाश, सहायक निदेशक मत्स्य, किसान यूनियन के पदाधिकारी एवं भारी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

सम्पूर्णता अभियान 2.0 को सफल बनाने के लिए डीएम ने कसी कमर, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद में नीति आयोग द्वारा संचालित श्आकांक्षात्मक जनपदश और श्आकांक्षी ब्लॉकश कार्यक्रम के तहत श्सम्पूर्णता अभियान 2.0श के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आज कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता और मुख्य विकास अधिकारी श्री बलराम सिंह की उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में अभियान के लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से प्राप्त करने पर बल दिया गया। घ14 अप्रैल तक चलेगा अभियान, शत–प्रतिशत संतृप्ति का लक्ष्य घजिलाधिकारी ने बैठक को संबोधित करते हुए बताया कि नीति आयोग द्वारा चयनित सिद्धार्थनगर में श्सम्पूर्णता अभियान 2.0श 14 अप्रैल 2026 तक संचालित किया जाएगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और पोषण जैसे महत्वपूर्ण इंडिकेटर्स (संकेतकों) में शत–प्रतिशत लक्ष्य हासिल करना है। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें ताकि जनपद की रैंकिंग में सुधार हो सके। घविभागवार मुख्य दिशा–निर्देश घ्बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों को उनके उत्तरदायित्वों के प्रति निर्देशित किया घ्स्वास्थ्य विभाग

सीएमओ को निर्देश दिया गया कि आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से अवशेष लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड प्राथमिकता पर बनाए जाएं। साथ ही, शत–प्रतिशत टीकाकरण और उसकी पोर्टल पर तत्काल फीडिंग सुनिश्चित की जाए। घशिक्षा विभाग बेसिक शिक्षा अधिकारी को स्कूलों में बालिका शौचालय, दिव्यांग शौचालय, शुद्ध पेयजल और फर्नीचर जैसी बुनियादी सुविधाओं को अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। कृषि विभागरू जिला कृषि अधिकारी को किसानों के खेतों की मिट्टी की जांच कर उन्हें मृदा स्वास्थ्य कार्ड (वपस भ्मंसजी ब्तक) उपलब्ध कराने को कहा गया। घ्क्षेत्रीय निरीक्षणरू जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को स्पष्ट किया कि वे केवल कार्यालय तक सीमित न रहें, बल्कि फील्ड निरीक्षण कर धरातल पर कार्यों की गुणवत्ता परखें। घ्प्रशिक्षण और जागरूकता पर जोर घ्डीएम ने कहा कि अभियान की सफलता के लिए फील्ड कर्मियों और हितधारकों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही, जनसमुदाय को इन योजनाओं के लाभों के प्रति जागरूक किया जाएगा ताकि अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। नीति आयोग के मानकों पर जनपद को अग्रणी बनाना हमारी प्राथमिकता है। स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे बुनियादी क्षेत्रों में किसी भी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नहीं होगी। शिवशरणप्पा जीएन, जिलाधिकारी घ्बैठक में उपस्थिति बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 रजत कुमार चौरसिया, जिला विकास अधिकारी राजमणि वर्मा, उपायुक्त श्रम रोजगार सन्दीव सिंह, डीएसटीओ बीएस यादव, उपायुक्त एनआरएलएम देवननन्दन दूबे, बीएसए शैलेष कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी साहब यादव, डीपीआरओ वाचस्पति झा सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सनातन उद्घोष कथा महोत्सव में सुनाई गई श्रीराम जन्म कथा, भक्तिऔर संस्कारों का दिया संदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत बढ़नी चाफा के बरघाट स्थित श्री दुर्गा मंदिर में कर्मयोगी परिवार के तत्वावधान में आयोजित श्री आदि शक्ति मां दुर्गा प्राण प्रतिष्ठा, श्री रुद्र महायज्ञ एवं सवा पाँच लाख पार्थिव शिवलिंग पूजन के पावन अवसर पर चल रहे सनातन उद्घोष कथा महोत्सव के चौथे दिन बुधवार को श्रद्धा और भक्ति का अनुपम संगम देखने को मिला। इस अवसर पर साध्वी सरस्वती जी ने भगवान श्रीराम के जन्म की दिव्य कथा का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा से पूर्व प्रातःकाल यज्ञशाला में विधिवत यज्ञ संपन्न हुआ। इसके उपरांत बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर रुद्राभिषेक किया। पूरे परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार और भक्ति भाव का वातावरण बना रहा। कथा के दौरान साध्वी सरस्वती जी ने श्रीराम के आदर्श चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान राम केवल एक ऐतिहासिक पुरुष नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए जीवन जीने की प्रेरणा हैं। उनका जीवन सत्य, करुणा, मर्यादा, कर्तव्य और त्याग का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने कहा कि रामकथा वह अमृत है जो जीवन की व्यथाओं को शांत कर देती है और जीवन जीने की कला सिखाती है। प्रभु की कथा कहने और सुनने का सौभाग्य अनेक जन्मों के पुण्य से प्राप्त होता है। मुख्य अतिथि आकाश गर्गवंशी एवं नगर पंचायत अध्यक्ष धर्मराज वर्मा ने दीप

प्रज्वलन कर चौथे दिवस की कथा का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण, गुरु वंदना एवं भजन–कीर्तन से हुई, जिसने श्रद्धालुओं को भाव–विभोर कर दिया। साध्वी जी ने समाज को संदेश देते हुए कहा कि गौशाला और वृद्धाश्रम का बढ़ता चलन हमारी सामाजिक व्यवस्था के लिए चिंतन का विषय है। पहले प्रत्येक घर में गाय और माता–पिता का सम्मान होता था, आज उनसे दूरी बनती जा रही है। उन्होंने लोगों से अपनी संस्कृति, संस्कार और परंपराओं को जीवित रखने का आह्वान किया। भक्ति की सरल व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि भक्ति केवल पूजा–पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करना भी सच्ची भक्ति है। उन्होंने गृहस्थ जीवन के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि रामायण केवल संन्यासियों के लिए नहीं, बल्कि गृहस्थों के लिए भी एक संपूर्ण जीवन मार्गदर्शक है। जीवन में जब अंधकार छा जाए, तब राम नाम का दीपक ही सबसे बड़ा सहारा बनता है। चेयरमैन धर्मराज वर्मा ने बताया कि प्रतिदिन लगभग 75 हजार पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर पूजन और रुद्राभिषेक किया जा रहा है। अब तक करीब तीन लाख पार्थिव शिवलिंग का पूजन संपन्न हो चुका है। श्रद्धालुओं ने सवा पाँच लाख पार्थिव शिवलिंग पूजन का संकल्प लिया है, जो कथा महोत्सव के समापन तक पूर्ण किया जाएगा। इस अवसर पर डा. सीमा मिश्रा, मंटू पाण्डेय, राम प्रमोद यादव, केशव प्रसाद, रामनेवास यादव, जुग्गीलाल चौहान, कुंवर साहब उपाध्याय, शिव कुमार गुप्ता, सुनील यादव, मनोहर गौतम सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

डीएम और एसपी ने जय किसान इंटर कॉलेज में बोर्ड परीक्षा का किया औचक निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (प्रयागराज) द्वारा आयोजित हाई स्कूल और इंटरमीडिएट की वार्षिक बोर्ड परीक्षाओं के पहले ही दिन जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद दिखा। बुधवार को द्वितीय पाली की परीक्षा के दौरान जिलाधिकारी श्री शिवशरणप्पा जी.एन. ने पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के साथ जय किसान इंटर कॉलेज, सकतपुर सनई का औचक निरीक्षण किया। सीसीटीवी कैमरों से कड़ी

निगरानी घनिरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सीधे कंट्रोल रूम और सीसीटीवी कैमरा कक्ष का रुख किया। उन्होंने केंद्र के प्रत्येक परीक्षा कक्ष की लाइव फीड की जांच की। जिलाधिकारी ने संतोष व्यक्त किया कि सभी परीक्षा कक्षों के सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह क्रियाशील (थ्नदबजपवदंस) पाए गए और राज्य स्तर के मानकों के अनुरूप निगरानी की जा रही है। घ्नकलविहीन परीक्षा पर जोर घ्डीएम ने कॉलेज के प्रधानाचार्य और केंद्र व्यवस्थापक को सख्त लहजे में निर्देश दिए कि शासन की मंशा के अनुरूप परीक्षा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जाए। घ्नकल विहीन व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। घ्परीक्षा की शुचिता और पारदर्शिता में किसी भी स्तर पर चूक न हो। घ्पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने भी सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और केंद्र के बाहर तैनात पुलिस बल को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए ताकि बाहरी हस्तक्षेप की कोई गुंजाइश न रहे।

14 माह बाद रानी कसौधन हत्याकांड का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। कस्बे में 14 माह 20 दिन पहले हुई 15 वर्षीय नाबालिग रानी कसौधन की हत्या के मामले में पुलिस को आखिरकार सफलता मिल गई है। न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद थाना शोहरतगढ़ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद क्षेत्र में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है, वहीं पीड़ित परिवार को न्याय की उम्मीद जगी है। मिली जानकारी के अनुसार, 28 नवंबर 2024 की रात कस्बे के एक वार्ड निवासी रानी कसौधन एक अतिथि भवन में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने गई थी। देर रात तक घर वापस न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग सका।इसके बाद 1 दिसंबर 2024 को शोहरतगढ़ नगर पंचायत के वार्ड नंबर 7 स्थित मोहल्ला सुभाष नगर में एन. एच. 730 शोहरतगढ़–बाणगंगा रोड पर अग्रवाल पेट्रोल पंप के सामने झाड़ियों में किशोरी का शव बरामद हुआ था। शव पर चोट और सूजन के निशान पाए गए थे, जिससे हत्या की आशंका प्रबल हो गई थी। इस घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एवं पीड़िता के पौरवी पर मा. न्यायालय ने संज्ञान लिया और कोर्ट के आदेश पर 26 जनवरी 2026 को थाना शोहरतगढ़ में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई। थाना प्रभारी नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गहन जांच, साक्ष्य संकलन और तकनीकी विश्लेषण किया। जांच के आधार पर पुलिस ने 18 फरवरी 2026 को हत्या के मामले में आशीष उर्फ राम आशीष पुत्र 351(3) बीएनएस के तहत

पुजारी निवासी मसीना थाना शोहरतगढ़, हाल पता बाणगंगा, थाना शोहरतगढ़ (उम्र 33 वर्ष) को मु0अ0सं0 16/26 धारा 103(1), 238, 137(2), 87, गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को विधिक कार्रवाई पूर्ण कर न्यायालय भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच जारी है। वहीं इस गिरफ्तारी के बाद मृतका के परिजनों को न्याय मिलने की उम्मीद मजबूत हुई है। अब सवाल यह है कि जब मामला इतना गंभीर था तो तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक ने मृतका की माँ की शिकायत पर मुकदमा क्यों दर्ज नहीं किया? इसके साथ ही क्या इस घटना में मात्र एक ही आरोपी हैं या पुलिस की जाँच में कुछ लोगों का नाम सामने आ सकता हैं और सबसे अहम सवाल यह हैं कि आखिर किन परिस्थितियों में नाबालिक रानी कसौधन की हत्या की गई?

इटवा नगर पंचायत लगभग तीन वर्ष बीत चुका लेकिन वार्ड नंबर आठ का हालत नही सुधरा

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर। इटवा नगर पंचायत लगभग तीन वर्ष बीत चुका लेकिन वार्ड नंबर आठ गुरु गोविंद सिंह नगर मे रामजानकी मन्दिर से लगभग दो सौ मीटर कच्ची सड़क पर राहगीरों व मकान बना कर रहने वाले मकान मालिको का कहना है उस रास्ते पर चलना मुश्किल हो गया है। बरसात का मौसम आने वाला है रोड नाली निर्माण कार्य सही समय पर नही किया गया तो बरसात के मौसम नहर की सफाई और पटरी पर नहर की मिट्टी पाटने से बाईक तो दूर की बात है पैदल चलना भी दुश्वार हो जाऐगा जिसकी शिकायत कई बार नगर पंचायत अध्यक्ष व सभासद से की गई और कई बार लम्बाई चौड़ाई का नाप भी किया गया लेकिन आशवसन के शिवाऐ कुछ नही मिला राम–जानकी मन्दिर से महज एक ही रास्ता है जो मेन रोड पर जाता है।यहा पर लगभग पर पाचास घर की आबादी भी है।इस मुहल्ले के लोगो कहना है कि नगर पंचायत मे हर वर्ष करोड़ो का वजट आता है शायद इस वार्ड नंबर आठ के लिये अगल से वजट का इन्तजार हो रहा है।जब नगर पंचायत अध्यक्ष से पिछले माह मे पूछा गया तो मिट्टी नहीं मिलने का बहाना बना कर टाल दिया गया जब मिट्टी मिलना शुरू हुआ तब बजट का आभाव पड़ गया इस संबंध मे सभासद सुनील जयसवाल से पूछे पर बताया कि हमने बहुत पहले इस रास्ते के लिए प्रस्ताव भेजा था लेकिन अभी तक इसका कोई जवाब नही दिया गया।

भारत–नेपाल मैत्री महोत्सव का भव्य आगाज लोक कला और देशभक्ति के रंगों में डूबा सरहद का द्वार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भारत और नेपाल के सदियों पुराने रोटी–बेटी के रिश्ते को नई ऊंचाई देने के लिए उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग और जिला प्रशासन के साझा प्रयासों से भारत–नेपाल मैत्री महोत्सव का शानदार शुभारंभ हुआ। दो दिवसीय इस महोत्सव के पहले दिन सांस्कृतिक विविधताओं और ऐतिहासिक संबंधों की अनूठी झलक देखने को मिली। सांस्कृतिक शोभायात्रा ने मोहा मन घ्महोत्सव का आगाज एक भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ। इसमें कलाकारों ने फारूवाही और बधावा जैसे पारंपरिक लोक नृत्यों का प्रदर्शन किया। स्काउट एंड गाइड के छात्र–छात्राओं के उत्साह और लोक कलाकारों की थिरकन ने शहर को उत्सव के माहौल में सराबोर कर दिया। घ्मुख्य अतिथि का संबोधनरू बुद्ध की धरती से जुड़ा है रिश्ता कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, सांसद डुमरियागंज के प्रतिनिधि एस.पी. अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर समारोह की शुरुआत की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा भारत और

नेपाल का संबंध केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि आत्मिक है। भगवान बुद्ध का जन्म नेपाल में हुआ, तो भारत उनकी कर्मस्थली रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2014 के बाद से इन संबंधों को एक नई वैश्विक पहचान मिली है। देशभक्ति और सुरों का संगम घ्महोत्सव के प्रथम दिन भारतीय और नेपाली कलाकारों ने अपनी कला का जादू बिखेरा। लोकगायन, शास्त्रीय संगीत और सूफी गीतों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विशेष रूप से कलाकार विशाल श्रीवास्तव के देशभक्ति गीतों ने कलेक्ट्रेट परिसर में मौजूद जनसमूह में जोश भर दिया। कल का आकर्षण 19 फरवरी को बिखरेगी भारत के विभिन्न राज्यों की छटा महोत्सव के दूसरे दिन (गुरुवार) को कार्यक्रम और भी भव्य होने जा रहा है। प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार कल के मुख्य आकर्षण इस प्रकार होंगे राज्यों का संगम मध्य प्रदेश, लखनऊ, सीतापुर, प्रयागराज और संत कबीर नगर के मंझे हुए कलाकार अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। घविविध विधाएं अवधी लोक गायन, नुक्कड़ नाटक और सांस्कृतिक समूह गायन का आयोजन होगा। घ्मैत्री संवाद भारत–नेपाल मैत्री पर आधारित विशेष नाट्य प्रस्तुतियां दी जाएंगी। प्रशासन की अपीलरू जिला प्रशासन ने स्थानीय नागरिकों और पर्यटकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस सांस्कृतिक महाकुंभ का आनंद लें और दोनों देशों की साझा विरासत के साक्षी बनें।

सामूहिक विवाह कार्यक्रम को लेकर प्रशासन अलर्ट, डीएम और एसपी ने बांसी में तैयारियों का लिया जायजा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत आयोजित होने वाले भव्य कार्यक्रम को सकुशल संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। इसी क्रम में बुधवार को जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी. एन. और पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने रतन सेन महाविद्यालय, बांसी का दौरा कर आयोजन स्थल का विस्तृत स्थलीय निरीक्षण किया। सुरक्षा और व्यवस्थाओं पर विशेष फोकस घनिरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण और सुचारू यातायात प्रबंधन के संबंध में कड़े निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम के दौरान आने वाले लाभार्थियों और मेहमानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। डीएम द्वारा दिए गए मुख्य निर्देश यातायात एवं पार्किंगरू वाहनों के आवागमन और पार्किंग के लिए व्यवस्थित जगह चिन्हित की जाए ताकि जाम की स्थिति न बने। घ्भीड़ नियंत्रण अधिक संख्या में लोगों के जुटने की संभावना को देखते हुए पुख्ता बैरिकेडिंग और नियंत्रण योजना बनाई जाए। घ्सुरक्षा महिला सुरक्षा के लिए विशेष टीम तैनात करने और वीआईपी मूवमेंट के लिए अलग रूट प्लान तैयार करने के निर्देश दिए। इमरजेंसी प्लानरू आपातकालीन निकास की व्यवस्था दुरुस्त रखने को कहा गया ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके। घ्वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी घ्इस महत्वपूर्ण निरीक्षण के दौरान प्रशासन की पूरी टीम मौजूद रही, जिसमें अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) डॉ. ज्ञानप्रकाश, उपजिलाधिकारी बांसी निखिल चक्रवर्ती, पीडी नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, डीडीओ राजमणि वर्मा और जिला समाज कल्याण अधिकारी महिपाल सिंह सहित अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी शामिल थे। घ्बता दें कि 22 फरवरी को आयोजित होने वाले इस सामूहिक विवाह कार्यक्रम में भारी संख्या में जोड़े परिणय सूत्र में बंधेंगे, जिसकी तैयारियों को अब अंतिम रूप दिया जा रहा है।

फसल बचाने के लिए एकजुट हुए किसान, वन विभाग की कार्रवाई पर उठे सवाल ?

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। मेंहदावल तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत जंगल दशहर में वन विभाग की कार्रवाई को लेकर किसानों में भारी नाराजगी देखने को मिली। आरोप है कि वन विभाग की टीम चार से पांच महीने पहले बिना काश्तकारों को सूचना दिए ही जमीन की पैमाइश कर गई थी। बताया जा रहा है कि बुधवार को वन विभाग की टीम जेसीबी मशीन लेकर मौके पर पहुंची और किसानों की खड़ी गेहूं की फसल को खोदने की तैयारी शुरू कर दी। अचानक हुई इस कार्रवाई से काश्तकारों में हड़कंप मच गया। किसानों ने मौके पर पहुंचकर वन विभाग के अधिकारियों से बातचीत की और काफी समझाने–बुझाने के बाद जेसीबी मशीन को रुकवाया गया। किसानों का कहना है कि बिना किसी पूर्व सूचना और स्पष्ट दस्तावेजी जानकारी के उनकी तैयार फसल को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया, जिससे उन्हें भारी आर्थिक क्षति हो सकती थी। घटना के बाद प्रभावित काश्तकार मेहदावल तहसील पहुंचे और संबंधित अधिकारियों को पत्र सौंपकर मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की। किसानों ने प्रशासन से न्याय दिलाने और भविष्य में ऐसी कार्रवाई से पहले नोटिस जारी करने की मांग की है। वहीं इस मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है और किसान प्रशासन से निष्पक्ष जांच की अपेक्षा कर रहे हैं। इस दौरान वासुदेव यादव, मुस्ताक अली, सुरज, सैफुल्लाह, मन्नान, रामसकल, राम बचन, मोनीसा खातुन, यशोदा, लीलावती, जासमती, चुन्नीलाल, रहमतअली, हफीजुल्लाह, मो0जमा आदि लोग मौजूद रहे।

विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में डीएम सख्त, लापरवाही पर सुधार के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी श्री शिवशरणप्पा जी.एन. की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में मुख्यमंत्री डैश बोर्ड और जनपद में चल रहे निर्माण कार्यों की गहन समीक्षा बैठक संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जनपद को रैंकिंग में प्रथम श्रेणी में लाना सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी है। घबिजली विभाग को कड़े निर्देशरू स्कूलों के ऊपर से हटेंगे हाईटेंशन तार घ्समीक्षा के दौरान डीएम ने विद्युत विभाग को निर्देशित किया कि शासन द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर खराब ट्रांसफार्मर बदलना सुनिश्चित करें। घ्सबसे महत्वपूर्ण, स्कूलों के ऊपर से

गुजरने वाले हाईटेंशन तारों को तत्काल हटवाया जाए ताकि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। घ्जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि ओवरहेड टैंकों का निर्माण समय से पूरा कर टेस्टिंग शुरू की जाए। उन्होंने अधिशासी अभियंताओं को सख्त निर्देश दिया कि पाइपलाइन डालने के लिए जो सड़कें खोदी गई हैं, उन्हें तत्काल ठीक कराया जाए ताकि जनता को आवागमन में समस्या न हो। घ्डीएम ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, पीएम कुसुम योजना, छात्रवृत्ति, पेंशन (दिव्यांग, वृद्धावस्था, निराश्रित महिला) और कन्या विवाह सहायता योजना की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि वे स्वयं सहायता समूहों का गठन कर उन्हें रिवाल्विंग फंड उपलब्ध कराया जाए। घशिक्षण संस्थानों के प्रबंधकों से समन्वय कर छात्रवृत्ति का लक्ष्य शत–प्रतिशत पूरा करें। घ्50 लाख से ऊपर के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिया गया कि घ्जो कार्य पूर्ण हो चुके हैं, उनका टीम गठित कर सत्यापन कराएं और शीघ्र हैंडओवर करें। घ्जिन परियोजनाओं के लिए बजट उपलब्ध है, उनका उपयोग कर द्वितीय किस्त (न्द) की डिमांड तुरंत भेजें ताकि फंड के अभाव में काम न रुके। घ्इस महत्वपूर्ण बैठक में सीएमओ डॉ. रजत कुमार चौरसिया, पीडी नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, जिला विकास अधिकारी राजमणि वर्मा, डीसी एनआरएलएम देव नन्दन दूबे, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी बी.एस. यादव, बीएसए शैलेश कुमार, और विभिन्न विभागों के अधिशासी अभियंता व जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सावधान! जिला मुख्यालय के बाजारों में ओवरबिलिंग का खेल

सामान खरीदने से पहले खुद जरूर जांचें दाम

दैनिक बुद्ध का संदेश /राजेश शर्मा

सिद्धार्थनगर। जिला मुख्यालय खरीदारी के दौरान अगर आप दुकानदार द्वारा बताए गए कुल बिल पर आंख मूंदकर भरोसा कर रहे हैं, तो रुक जाइए! आप ठगी का शिकार हो सकते हैं। जिला मुख्यालय के बाजारों से इन दिनों ऐसी कई शिकायतें सामने आ रही हैं जहां दुकानदार सामान की कुल कीमत को बढ़ा–चढ़ाकर बता रहे हैं। घ्कैसे हो रहा है खेल? घ्बाजार में छोटे और बड़े, दोनों तरह के दुकानदारों के खिलाफ ग्राहकों ने मोर्चा खोल दिया है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि सामान लेने के बाद जब दुकानदार से कुल राशि पूछी जाती है, तो वह वास्तविक कीमत से 10 से 50 रुपये (या उससे भी अधिक) ज्यादा बताता है। घ्पकड़े जाने पर श्गलतीश का बहाना कई जागरूक महिलाओं और पुरुषों ने बताया कि जब उन्होंने खुद सामान की कीमतों को जोड़ा और दुकानदार की गलती पकड़ी, तो दुकानदार बड़ी सफाई से इसे भूल या हिसाब की गलती बताकर पल्ला झाड़ लेते हैं। घ्ग्राहकों का सवालरू जब हर सामान का रेट फिक्स है और दुकानदार रोज वही सामान बेच रहा है, तो अचानक जोड़ते समय ही गलती कैसे हो सकती है? यह गलती नहीं, बल्कि आम जनता की जेब पर सरेआम डाका है। जल्दबाजी पड़ रही है भारी बातचीत के दौरान यह बात भी सामने आई कि अक्सर लोग जल्दबाजी के चक्कर में दुकानदार को बिना हिसाब किए पैसे दे देते हैं। दुकानदार इसी श्जल्दबाजीश का फायदा उठाते हैं। पढ़े–लिखे लोग भी इस धोखाधड़ी का शिकार हो रहे हैं क्योंकि वे दुकानदार पर भरोसा कर बिल को दोबारा क्रॉस–चेक नहीं करते। घ्बचाव के लिए क्या करें? घ्खुद जोड़ें सामान खरीदने के बाद दुकानदार के बताने से पहले खुद कीमतों को जोड़ें। बिल की मांग करें पक्का बिल या कम से कम कच्चे पर्चे पर हर सामान की अलग–अलग कीमत लिखवाएं।रेट लिस्ट देखें दुकान पर मौजूद रेट लिस्ट या पैकेट पर छपे MRP को जरूर चेक करें।

विरोध करें यदि कोई दुकानदार बार–बार गलती कर रहा है, तो इसकी शिकायत स्थानीय व्यापार मंडल या उपभोक्ता फोरम में करें।

सतर्क रहें, जागरूक बनें जिला मुख्यालय के बाजारों में खरीदारी करते समय सावधानी ही आपकी मेहनत की कमाई को ठगी से बचा सकती है।

सावधान! मिठाई के साथ डिब्बा तौलकर आपकी जेब काट रहे दुकानदार, घटतौली के खेल का भंडाफोड़

दैनिक बुद्ध का संदेश /राजेश शर्मा

सिद्धार्थनगर। जिला मुख्यालय यदि आप मिठाई के शौकीन हैं और बाजार से डिब्बा बंद मिठाई खरीद रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए है। क्या आपने कभी गौर किया है कि जिस मिठाई के लिए आप भारी–भरकम कीमत चुका रहे हैं, उसमें 50 से 100 ग्राम वजन सिर्फ उस खाली गत्ते के डिब्बे का होता है? जिला मुख्यालय पर इन दिनों मिठाई विक्रेताओं द्वारा घटतौली का यह खेल धड़ल्ले से चल रहा है। कुछ दिन पहले जिला मुख्यालय स्थित एक प्रतिष्ठीत स्वीट्स के दुकान पर सिद्धार्थ सिविल बार के अध्यक्ष अखंड प्रताप सिंह ने इस तानाशाही के खिलाफ आवाज उठाई थी। उन्होंने जब मिठाई के साथ डिब्बा तौले जाने का विरोध किया, तो दुकानदार के पास कोई जवाब नहीं था। विरोध बढ़ता देख दुकानदार ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए माफी मांगी थी। इस मामले के बाद नापतोल विभाग ने भी कड़ी कार्रवाई के संकेत दिए हैं। नापतोल विभाग के स्पष्ट निर्देश हैं कि कोई भी दुकानदार मिठाई के साथ डिब्बे का वजन नहीं कर सकता। घमिठाई तौलते समय तराजू पर पहले खाली डिब्बा रखकर उसे जीरो करना अनिवार्य है। अक्सर देखा जाता है कि ग्राहक जल्दबाजी में या संकोचवश इस छोटी लगने वाली चोरी पर ध्यान नहीं देते। दुकानदार इसी का फायदा उठाकर रोजाना हजारों रुपये की अवैध कमाई कर रहे हैं। जानकारों का कहना है कि यदि अखंड प्रताप सिंह की तरह आम जनता भी जागरूक हो जाए और मौके पर विरोध दर्ज कराए, तो इस लूट को रोका जा सकता है।घविशेषज्ञ की सलाह घ्ाहक हमेशा सजग रहें। मिठाई तुलवाते समय यह सुनिश्चित करें कि डिब्बे का वजन घटाया गया है या नहीं। गत्ते के डिब्बे की कीमत मिठाई के भाव पर देना आपकी मेहनत की कमाई की बर्बादी है। ठगी से बचने के लिए ध्यान घ्तराजू पर नजर रखें देखें कि डिब्बा रखने के बाद कांटा शून्य पर है या नहीं। बिल जरूर लें किसी भी विसंगति पर पक्का बिल मांगें और उस पर वजन का विवरण लिखवाएं। शिकायत करें यदि दुकानदार मनमानी करे, तो तत्काल जिला नापतोल अधिकारी या उपभोक्ता हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराएं।

यदि दुकानदार डिब्बे सहित मिठाई तौलता है, तो वह उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत अपराध है। 50 से 100 ग्राम के डिब्बे को मिठाई के भाव जैसे 400 से 600 प्रति किलो पर बेचना सीधे तौर पर ग्राहकों से धोखाधड़ी है।

सम्पादकीय

लोकतंत्र के भविष्य में जातिवाद और पूंजीवाद

चाहे उसकी जाति कुछ भी हो। हम होटलों में जाति पूछकर भोजन ग्रहण नहीं करते बल्कि पैसे अदा करके भोजन करते हैं। लेकिन एक कड़वी सच्चाई यह भी हैरू पूंजीवाद ने पूंजी को कुछ ही हाथों में केंद्रित कर दिया है इससे आर्थिक असमानता और गहरी हो गई है। गौरतलब है कि एक हाइब्रिड मश्वडल भारतीय लोकतंत्र में ये दोनों एक–दूसरे के विरोधी होने के साथ–साथ ...

भारतीय लोकतंत्र में जातिवाद और पूंजीवाद के बीच अत्यंत गहरा संबंध है। यह केवल दो विचारधाराओं का टकराव नहीं है, बल्कि यह इस बात की संघर्ष है कि भारत के संसाधनों और सत्ता पर किसका नियंत्रण होगा। भारत में जाति केवल एक सामाजिक व्यवस्था नहीं है, बल्कि यह सत्ता की राजनीति का एक सक्रिय कारक तत्व भी है। भारत में चुनाव प्रायः विकास के दावों से शुरू होते हैं, लेकिन अंत में जातिगत समीकरण पर आकर टिक जाते हैं।

जातिवाद संसाधनों के वितरण (जैसे सरकारी नौकरियां और शिक्षा) में आरक्षण के माध्यम से हस्तक्षेप करता है, जिसे पूंजीवाद अक्सर अपनी योग्यता के सिद्धांत के विरुद्ध मानता है।

पूंजीवाद का मूल मंत्र लाभ और दक्षता है। सैद्धांतिक रूप से, पूंजीवाद को जाति से कोई लेना–देना नहीं होना चाहिए, लेकिन वास्तविकता इससे अलग है। पूंजीवाद कुशलता की बात करता है, लेकिन भारत में जिसे हम मैरिट कहते हैं, वह प्रायः सभी जातियों में मेधा के पास मौजूद पीढ़ियों के सामाजिक और आर्थिक संसाधनों का परिणाम होता है। ऐसा नहीं है कि सभी जातियों में कुशल कारीगर नहीं रहे हों। बाज़ार के अनुरूप मांग के सिद्धांत के आधार पर वस्तुओं का निर्माण, उनका क्रय और विक्रय कुशल कारीगर की अपेक्षा करती है। निजी क्षेत्र में अभी भी नेतृत्व के पदों पर प्रायः दक्षता और योग्यता के आधार पर सभी जातियों के मेधावियों का वर्चस्व देखा जाता है, जो यह दर्शाता है कि पूंजीवाद ने जातिवाद को पूरी तरह समाप्त किया है।

ध्यातव्य है कि एक तर्क यह दिया जाता है कि जैसे–जैसे भारत अधिक पूंजीवादी और शहरीकरण की तरफ अग्रसर होगा, जाति का महत्व उतना ही कम होता जाएगा। दरअसल शहरीकरण में जाति का महत्व नहीं होता। शहरों में लोग एक–दूसरे की जाति पूछने के बजाय श्पेशेश को अधिक महत्व देते हैं। बाजार के लिए ग्राहक केवल एक श्क्रेताश है, चाहे उसकी जाति कुछ भी हो। हम होटलों में जाति पूछकर भोजन ग्रहण नहीं करते बल्कि पैसे अदा करके भोजन करते हैं। लेकिन एक कड़वी सच्चाई यह भी हैरू पूंजीवाद ने पूंजी को कुछ ही हाथों में केंद्रित कर दिया है इससे आर्थिक असमानता और गहरी हो गई है। गौरतलब है कि एक हाइब्रिड मॉडल भारतीय लोकतंत्र में ये दोनों एक–दूसरे के विरोधी होने के साथ–साथ एक–दूसरे के पूरक भी बन गए हैं। राजनेता जाति के नाम पर वोट मांगते हैं और पूंजीपतियों के समर्थन से सरकार चलाते हैं। सवाल यह है कि क्या हम कभी ऐसे लोकतंत्र की कल्पना कर सकते हैं जहाँ व्यक्ति की पहचान उसकी जाति या उसकी नेट वर्थ से न होकर उसके नागरिक होने से हो। सचमुच ऐसा दिन लोकतंत्र के लिए शुभकारी होगा।

लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का संदेश

कैंसर के विरुद्ध जंग में आयुर्वेद की बढ़ती भूमिका

आज के आधुनिक युग में जहाँ चिकित्सा विज्ञान ने अभूतपूर्व प्रगति की है, वहीं श्कैंसरश जैसी असाध्य बीमारी अभी भी मानवता के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। कैंसर का नाम सुनते ही मन में भय और लाचारी का भाव आता है। एलोपैथी में कीमोथेरेपी, रेडिएशन और सर्जरी जैसे उपचार प्रभावी तो हैं, लेकिन इनके गंभीर दुष्प्रभाव अक्सर रोगी के शरीर और मनोबल को तोड़ देते हैं। ऐसे में, प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति श्आयुर्वेदश आशा की एक नई किरण बनकर उभर रही है।आयुर्वेद कैंसर को केवल शरीर के किसी एक हिस्से की बीमारी नहीं, बल्कि शरीर के त्रिदोषों (वात, पित्त और कफ) के असंतुलन और अग्नि की वि.ति मानता है। चरक संहिता और सुश्रुत संहिता जैसे ग्रंथों में अर्बुद का वर्णन मिलता है, जो आधुनिक कैंसर से काफी समानता रखता है। आयुर्वेद का मुख्य उद्देश्य केवल कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करना नहीं, बल्कि शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को इतना मजबूत करना है कि शरीर स्वयं बीमारी से लड़ सके।यहाँ यह समझना आवश्यक है कि आयुर्वेद को एलोपैथी के श्विकल्पश के बजाय एक श्पूरकश के रूप में देखना अधिक श्रेयस्कर है।दुष्प्रभावों में कमी शोध बताते हैं कि कीमोथेरेपी के दौरान यदि रोगी आयुर्वेदिक जड़ी–बूटियों (जैसे पुनर्नवा, गिलोय और तुलसी) का सेवन करे, तो मतली, बाल झड़ना और कमजोरी जैसे लक्षणों में भारी कमी आती है।हल्दी में पाया जाने वाला करक्यूमिन और अश्वगंधा जैसे तत्व कैंसर कोशिकाओं की वृद्धि को रोकने में सहायक पाए गए हैं।आयुर्वेद का सबसे मजबूत पक्ष स्वस्थ जीवनशैली है। कैंसर के उपचार में आहार का विशेष महत्व है। ताजे फल, हरी सब्जियां, और विरुद्ध आहार (गलत खाद्य संयोजन) से परहेज रोगी के शरीर में विषैले तत्वों को कम करता है। साथ ही, योग और प्राणायाम मानसिक तनाव को कम कर रोगी की जीजीविषा यानी जीने की इच्छा को बढ़ाते हैं।संपादकीय का यह पक्ष भी महत्वपूर्ण है कि कैंसर जैसे संवेदनशील रोग में केवल श्नीम–हकीमोंश के भरोसे रहना घातक हो सकता है। आयुर्वेद के नाम पर भ्रामक विज्ञापनों से बचना चाहिए। उपचार हमेशा किसी पंजी.त और अनुभवी आयुर्वेदिक चिकित्सक की देखरेख में ही होना चाहिए। सरकार और आयुष मंत्रालय को चाहिए कि वे कैंसर पर आयुर्वेदिक शोध को और अधिक बढ़ावा दें ताकि इसे वैश्विक स्तर पर वैज्ञानिक मान्यता मिले।कैंसर के विरुद्ध युद्ध केवल दवाओं से नहीं, बल्कि ढ़ इच्छाशक्ति और समग्र उपचार से जीता जा सकता है। आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा का समन्वय न केवल रोगी की आयु बढ़ा सकता है, बल्कि उसे एक कष्टमुक्त और गरिमापूर्ण जीवन भी प्रदान कर सकता है। समय आ गया है कि हम अपनी प्राचीन विरासत को आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर कसकर मानवता के कल्याण हेतु प्रयोग में लाएं।

राजेश कुमार षर्मा, सम्पादक

माता-पिता की देखभाल हेतु जवाबदेही सुनिश्चित हो

वे कहते हैं कि पासपोर्ट रद्द करना या प्रमाण पत्र की बाध्यता जैसे कदम बहुत कठोर हैं, जो प्रवास की स्वतंत्रता को प्रभावित करेंगे। अंतर्राष्ट्रीय कानूनों में पासपोर्ट रद्द करने के लिए केवल गंभीर अपराध या राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार होते हैं, न कि पारिवारिक मामले। एनआरआई समुदाय का एक हिस्सा इसे भेदभावपूर्ण मानता है, क्योंकि भारत में रहने वाले बच्चे जो माता–पिता की उपेक्षा करते हैं, उनके ...

विदेशों में बसी संतानों द्वारा भारत में रह रहे मां–बाप की उपेक्षा व अनदेखी का मामला संसद में उठना केवल कानूनी सवाल ही नहीं, बल्कि नैतिक और सामाजिक मुद्दा भी है। कानून द्वारा प्रवासी बच्चों के माता–पिता का जीवन सुरक्षित करना वक्त की जरूरत है। भारतीय समाज में परिवार की संरचना और मूल्यों का आधार माता–पिता की सेवा और सम्मान रहा है, लेकिन आधुनिक समय में बेहतर शिक्षा और रोजगार के अवसरों के कारण लाखों युवा विदेशों में बस रहे हैं। यह प्रवास अक्सर परिवारों के लिए आर्थिक उन्नति लाता तो है, लेकिन कई मामलों में बुजुर्ग माता–पिता भारत में अकेले पड़ जाते हैं। उनकी देखभाल, भावनात्मक समर्थन और नियमित संपर्क की कमी से बुजुर्गों की मानसिक और शारीरिक स्थिति दयनीय हो जाती है। हाल ही में राज्यसभा में भाजपा सांसद डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल ने विदेश जाने वाले युवाओं द्वारा माता–पिता की देखभाल सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने सुझाव दिया कि विदेश जाने से पहले बच्चों से एक हलफनामा लिया जाए, जिसमें वे अपनी आय का एक निश्चित हिस्सा माता–पिता की देखभाल के लिए देने का वादा करें। इसके साथ ही, हर छह महीने में माता–पिता से 'संतुष्टि प्रमाण पत्र' प्राप्त करना अनिवार्य हो। ऐसा प्रमाण पत्र न मिलने या शिकायत आने पर बच्चों का पासपोर्ट रद्द किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि कम से कम सप्ताह में एक बार फोन पर माता–पिता का हालचाल पूछना भी बाध्यकारी होना चाहिए। इस संदर्भ में पिछले वर्ष 500 से अधिक ऐसे मामले सामने आए, जहां विदेश में बसे बच्चों की उपेक्षा के कारण माता–पिता की हालत बहुत खराब हो गई या उनकी मृत्यु हो गई। विडंबना है कि बच्चे अंतिम संस्कार के लिए भी नहीं लौटे। यह मुद्दा केवल भावनात्मक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि सामाजिक और कानूनी दृष्टि से भी गंभीर है। भारत में पहले से ही 'माता–पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण–पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007' लागू है, जो बच्चों को माता–पिता की आर्थिक और भावनात्मक देखभाल के लिए जिम्मेदार बनाता है। इस कानून के तहत बुजुर्ग ट्रिब्यूनल में शिकायत कर सकते हैं और बच्चों से मासिक भरण–पोषण प्राप्त कर सकते हैं, जिसमें संपत्ति हस्तांतरण रद्द करने की शक्ति भी शामिल है। हालांकि, यह कानून विदेश में बसे बच्चों (एनआरआई) पर प्रभावी ढंग से लागू नहीं हो पाता, क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्राधिकार, प्रवर्तन की कमी और संपर्क की दूरी जैसी समस्याएं आड़े आती हैं। कई एनआरआई बच्चे भारत में संपत्ति या बैंक खाते रखते हैं, लेकिन देखभाल की जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लेते हैं। सांसद का प्रस्ताव इसी कमी को दूर करने का प्रयास है। यदि पासपोर्ट आवेदन या वीजा प्रक्रिया में माता–पिता की सहमति अनिवार्य हो सकती है, तो यह उनके भविष्य को सुरक्षित बनाएगा। इस तरह के कानून की आवश्यकता इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि भारत में बुजुर्ग आबादी तेजी से बढ़ रही है। प्रवास के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में बुजुर्ग अकेले रह जाते हैं, जहां स्वास्थ्य सेवाएं, सामाजिक सुरक्षा और भावनात्मक समर्थन की कमी होती है। कई मामलों में माता–पिता ने बच्चों को विदेश भेजने के लिए अपनी जमीन–जायदाद बेच दी, कर्ज लिया या अपनी सारी बचत लगा दी, लेकिन बदले में उन्हें अकेलापन और उपेक्षा मिली। भारतीय संस्कृति में 'मातृ–पितृ भक्ति' को सर्वोच्च माना जाता है, लेकिन आर्थिक महत्वाकांक्षा और पश्चिमी जीवनशैली के प्रभाव से यह मूल्य कमजोर पड़ रहे हैं। यह मुद्दा सांस्कृतिक संकट पर भी ध्यान आकर्षित करता है। निरूसंदेह, सफलता के पीछे माता–पिता का बहुत बड़ा त्याग होता है। हालांकि, इस प्रस्ताव पर बहस भी छिड़ी हुई है। कुछ लोग इसे सकारात्मक मानते हैं, क्योंकि यह बुजुर्गों के अधिकारों की रक्षा करेगा और बच्चों में जिम्मेदारी की भावना जागृत करेगा। दूसरी ओर, आलोचक इसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर अतिक्रमण बताते हैं। वे कहते हैं कि पासपोर्ट रद्द करना या प्रमाण पत्र की बाध्यता जैसे कदम बहुत कठोर हैं, जो प्रवास की स्वतंत्रता को प्रभावित करेंगे। अंतर्राष्ट्रीय कानूनों में पासपोर्ट रद्द करने के लिए केवल गंभीर अपराध या राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार होते हैं, न कि पारिवारिक मामले। एनआरआई समुदाय का एक हिस्सा इसे भेदभावपूर्ण मानता है, क्योंकि भारत में रहने वाले बच्चे जो माता–पिता की उपेक्षा करते हैं, उनके खिलाफ ऐसी सख्त कार्रवाई नहीं होती। क्या केवल विदेश जाने वालों पर ही यह नियम लागू होगा?

लिव–इन में दहेज कानून से संरक्षण की आस

लिव–इन संबंधों की अवधारणा स्वयं इस दावे के साथ सामने आई कि यह पारंपरिक वैवाहिक बंधनों और उनसे जुड़ी सामाजिक बुराइयों विशेषतः दहेज जैसी कुरीतियों से मुक्त एक आधुनिक और स्वैच्छिक संबंध है। दहेज को लंबे समय से एक ऐसी परंपरागत सामाजिक बुराई के रूप में रेखांकित किया गया है, जिसने स्त्रियों के अधिकारों का शोषण किया और वैवाहिक संस्था को कलंकित किया...

लिव–इन जैसे संबंधों में भी दहेज और आर्थिक दबाव जैसे आरोप सवाल उठाते हैं। क्या संकट दहेज प्रथा में है, या हमारी सामाजिक मानसिकता में? जो आधुनिक संबंधों में भी स्वार्थ और वर्चस्व के तत्वों को पुनः स्थापित कर देती है? कहीं दहेज या क्रूरता के आरोप टूटते लिव–इन संबंधों को कानूनी रूप से साधने, दबाव बनाने या प्रतिशोध लेने का माध्यम तो नहीं बन रहे? हाल ही में देश को शीर्ष अदालत ने 'लोकेश बी.एच. एवं अन्य बनाम कर्नाटक राज्य एवं अन्य' के मामले के आपराधिक कानून से जुड़े प्रश्न पर विचार करने के लिए सहमति दी है। क्या किसी महिला के साथ विवाह जैसे संबंध (लिव–इन रिलेशनशिप) में रहने वाले पुरुष को भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 498ए के तहत क्रूरता के अपराध के लिए अभियोजन के दायरे में लाया जा सकता है या नहीं। उल्लेखनीय है कि यह मुद्दा एक विशेष अनुमति याचिका में उठाया गया है, जिसमें कर्नाटक हाईकोर्ट के 18 नवंबर 2025 के निर्णय को चुनौती दी गई है। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि धारा 498ए उन मामलों में भी लागू हो सकती है जहां संबंध विवाह के समान प्रकृति का हो। गौरतलब है कि धारा 498ए भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत यह प्रावधान है कि यदि किसी महिला के साथ उसके पति अथवा पति के रिश्तेदार द्वारा क्रूर व्यवहार किया जाता है, तो वह दंडनीय अपराध माना जाएगा। इस व्यवस्था का प्रमुख उद्देश्य विवाहित महिलाओं को दहेज से जुड़े उत्पीड़न तथा अन्य प्रकार की शारीरिक या मानसिक यातना से कानूनी सुरक्षा प्रदान करना है। इसी क्रम में, सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को इस वाद में पक्षकार के रूप में सम्मिलित करते हुए उसे नोटिस जारी किया है और प्रत्युत्तर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। न्यायालय ने मामले से संबंधित समस्त डिजिटल अभिलेख उपलब्ध कराने के भी आदेश दिए हैं। साथ ही, इस प्रकरण में अधीनस्थ न्यायालयों में लंबित कार्यवाही पर अगली सुनवाई तक अस्थायी रोक लगा दी गई है। यह प्रश्न सरल या एकरेखीय नहीं है। इसके एक पक्ष में स्त्री के अधिकार, गरिमा और सुरक्षा का संवेदनशील प्रश्न निहित है, तो दूसरे पक्ष में विधि की वह मर्यादा भी है जिसके अंतर्गत दहेज–निरोधक तथा क्रूरता संबंधी प्रावधानों को पारंपरिक रूप से वैध वैवाहिक संबंधों से जोड़कर देखा जाता है। एक ओर लिव–इन संबंध भारतीय समाज में गाहे–बगाहे अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैय वहीं दूसरी ओर, इनके साथ वे सभी जटिलताएं और विवाद भी सामने आ खड़े हो रहे हैं जो प्रायः विधिसम्मत वैवाहिक संबंधों के संदर्भ में देखने को मिलते हैं। ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए जो कानून मूलतः वैवाहिक संस्था को ध्यान में रखकर बनाए गए थे, उन्हीं प्रावधानों का आश्रय लेते हुए लिव इन रिलेशनशिप में रहने वाले जोड़े कानून के दरवाजे खटखटाते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस प्रकार, यह विमर्श केवल दंडात्मक कानून की तकनीकी व्याख्या का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और विधिक सीमाओं के बीच संतुलन स्थापित करने की चुनौती भी है। सबसे अधिक विस्मयकारी पहलू यह है कि अनेक युवा तथाकथित आधुनिक जीवन–दृष्टि और स्वतंत्रता के आग्रह के साथ लिव–इन संबंधों में प्रवेश करते हैं, मानो वे सामाजिक तथा विधि–सम्मत परंपरागत व्यवस्थाओं को महत्व नहीं देते। परंतु विडंबना यह है कि जब विवाद या संकट उत्पन्न होता है, तो वही पक्ष उन कानूनी संरक्षणों की शरण में जाते दिखाई देते हैं, जो मूलतः पारंपरिक वैवाहिक संबंधों को ध्यान में रखकर निर्मित किए गए थे। यह विरोधाभास एक ओर सामाजिक मान्यताओं से विमुखता और दूसरी ओर उन्हीं से उपजे विधिक संरक्षण की अपेक्षाकृ कानून के समक्ष निरंतर एक नया संतुलन स्थापित करने की चुनौती उपस्थित कर रहा है। जनवरी, 2004 को 'रीमा अग्रवाल बनाम अनुपम एवं अन्य के मामले' में देश की शीर्ष अदालत ने कहा 'धारा 498ए को लागू करने के लिए 'पति' शब्द के अंतर्गत कौन–कौन आएगा, यह प्रश्न वास्तव में जटिल है। शब्दार्थ की दृष्टि से, विभिन्न विधि शब्दकोशों और शब्दावली में 'पति' तथा 'विवाह' की जो परिभाषाएं दी गई हैं उनसे यह प्रतीत हो सकता है कि दंडात्मक प्रावधान लागू करने के लिए वैध विवाह का अस्तित्व अनिवार्य शर्त है।' अदालत ने यह भी कहा कि 'दहेज' की अवधारणा मूलतः विवाह से जुड़ी होती है और दहेज निषेध अधिनियम के प्रावधान भी विवाह के संदर्भ में ही लागू होते हैं। यदि स्वयं विवाह की वैधता ही विवादित हो, तो इससे अतिरिक्त विधिक जटिलताएं उत्पन्न हो जाती हैं। अजयनाथ बनाम केरल राज्य, में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि धारा 498ए के अंतर्गत अभियोजन चलाने के लिए अभियुक्त और पीड़िता के बीच वैध वैवाहिक संबंध होना अनिवार्य है। तीन न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि यदि कथित विवाह प्रारंभ से ही शून्य हो, तो धारा 498ए के अंतर्गत अभियोजन कायम नहीं रह सकता। वर्ष 2003 के कलियापेरुमल बनाम तमिलनाडु राज्य निर्णय में न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि धारा 498ए अथवा उससे संबंधित प्रावधान स्वतः लागू नहीं हो जातेय इनके लिए विधि द्वारा मान्य वैवाहिक संबंध का अस्तित्व आवश्यक है। यदि विवाह ही वैध न हो या दहेज से जुड़ा तत्व स्थापित न हो, तो आपराधिक दायित्व आरोपित नहीं किया जा सकता। इस प्रकार न्यायालय ने विवाह को इन प्रावधानों के लागू होने की आधारशिला के रूप में स्वीकार किया। इसी तर्क का विस्तार तथाकथित 'पति के संबंधियों' तक भी होता है। जब विधिक दृष्टि से 'पति' का दर्जा ही सिद्ध न हो, तो उसके संबंधियों के विरुद्ध की गई कार्रवाई भी स्वतः कमजोर पड़ जाती है। यही नहीं जुलाई, 2024 में केरल उच्च न्यायालय ने 'डॉ. अश्विन वी. नायर बनाम केरल राज्य एवं अन्य'में यह निर्णय दिया कि किसी महिला का लिव–इन पार्टनर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 498ए के तहत 'पति' की परिभाषा में नहीं आता। न्यायालय ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि 'पति शब्द का अर्थ है विवाहित पुरुष, जो विवाह में महिला का साथी हो।

अरुण मिश्र बनीं नरेंद्र मोदी विचार मंच महिला शाखा की उत्तर प्रदेश अध्यक्ष

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। समाजसेवा और संगठन के क्षेत्र में सक्रिय अरुण मिश्र को एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। नरेंद्र मोदी विचार मंच की कोर कमेटी ने सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुए उन्हें महिला शाखा का प्रदेश अध्यक्ष–उत्तर प्रदेश नियुक्त किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने जारी किया नियुक्ति पत्र संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष (महिला शाखा) डॉ. ज्योति श्रीवास्तव द्वारा जारी आधिकारिक पत्र के अनुसार, यह नियुक्ति 18 फरवरी 2026 से प्रभावी हो गई है। डॉ. श्रीवास्तव ने आशा व्यक्त की है कि अरुण मिश्र के नेतृत्व में संगठन उत्तर प्रदेश में और अधिक सशक्त होगा तथा वह प्राणप्रिय भारत के पुनर्निर्माण में प्रामाणिकता और पारदर्शिता के साथ कार्य करेंगी। ष्परम् वैभव भारतष् का स्वप्न होगा पूर्ण नियुक्ति पत्र में कहा गया है कि श्रीमती मिश्र का जुड़ाव और उनके द्वारा किए जाने वाले कार्य संगठन के परम् वैभव भारत के स्वप्न को पूर्ण करने में सहायक सिद्ध होंगे। संगठन ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उनका स्वागत किया है।

साड़ी कला सिद्धार्थनगर में प्रबंधक द्वारा घर भ्रष्टाचार संस्कृत पाठशाला भ्रष्टाचार किया जा रहा है

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। बेदादर्श संस्त महाविद्यालय साड़ी कला

रूद्र नगर सिद्धार्थ नगर के प्रबंधक के द्वारा महाविद्यालय की रिक्तियां को माध्यमिक विद्यालय में परिवर्तित करते हुए तीन पदों पर अनैतिक ढंग से नियुक्ति करने का प्रकरण सामने आया है पूर्व प्रबंधक के द्वारा वर्ष 2017 में विधि विधिवत नियमानुसार विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार विज्ञापन किया गया जिस पर नियमानुसार नियुक्ति प्रक्रिया संचालित रही पूर्व प्रबंधक निराधार शिकायत के द्वारा आपत्ति लगने के पश्चात माननीय उच्च न्यायालय में चयनित अभ्यर्थियों के द्वारा प्रकरण चल रहा है जिसकी सूचना माननीय न्यायालय द्वारा प्रबंधक एवं विश्वविद्यालय के कुलपति को सूचित किया जा चुका है। ऐसे में वर्तमान प्रबंधक के द्वारा अधिकारियों को गुमराह करते हुए महाविद्यालय की रिक्तियां को माध्यमिक में समायोजन करते हुए चयन कर लिया गया पिछले काफी दिनों से माध्यमिक विद्यालय में चयनित अध्यापक अनैतिक ढंग से मानदेय ले रहे हैं जो नियमानुसार अनुचित है सूचित सूचना के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों के द्वारा जिला विद्यालय निरीक्षक सिद्धार्थनगर और संयुक्त शिक्षा निदेशक मंडल बस्ती को इस प्रकरण से शिकायती पत्र के द्वारा सूचित होने पर खलबली मच गई जिला विद्यालय निरीक्षक व संयुक्त शिक्षा निदेशक के द्वारा तत्काल आख्या के आधार पर माध्यमिक में चयनित अभ्यर्थियों का मानदेय रोकते हुए अनैतिक ढंग से किए गए नियुक्ति मे संलिप्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई के साथ माननीय न्यायालय को गुमराह करने का भी आरोप है के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

कलश यात्रा के साथ 11 दिवसीय विष्णु महायज्ञ का हुआ शुभारम्भ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। बीना क्षेत्र के प्राचीन शिव मंदिर कोहरौलिया में

बुधवार को कलश यात्रा के साथ 11 दिवसीय विष्णु महायज्ञ का शुभारंभ किया गया। सैकड़ो महिला किशोरियों द्वारा सर पर कलश लेकर गाजे बाजे के साथ मुख्य मार्ग होते रिहंद जलाशय कलश में जल भरकर पुनः यज्ञ मंडप पर स्थापित किया गया। फाल्गुन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से आरंभ होकर 11 दिवसीय विष्णु महायज्ञ आगामी 28 फरवरी फाल्गुन पक्ष द्वादशी तक आयोजित किया जाएगा। यज्ञाधीश भर्ग देवनारायण द्विवेदी और आचार्य गोपालधार द्विवेदी की देखरेख में विधि विधान से पूजन अर्चन, मंत्रोचारण के बाद कलश यात्रा का शुभारंभ किया गया। गाजे बाजे के साथ डीजे की धुन पर भक्त यात्रा के दौरान झूमते नाचते नजर आए। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बीना चौकी प्रभारी जितेंद्र सरोज के साथ पुलिस टीम यात्रा के दौरान मौजूद रही। समिति के लोगों ने बताया कि आगामी 28 फरवरी को यज्ञ में पूर्णाहुति के बाद भंडारे के साथ महायज्ञ समापन किया जाएगा। इस मौके पर मंदिर के पुजारी रामचंद्र गिरी,चंदन कुमार, लालचंद गुप्ता, श्री .ष्ण दुबे, राहुल शर्मा,सन्नी गुप्ता आदि लोग मौजूद रहे।

बोर्ड की परीक्षा कड़े सुरक्षा इंतजाम के बीच हुई शुरू

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर/बहराइच। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाओं की शुरुआत आज बुधवार को हुई कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण माहौल में पहले दिन बोर्ड की परीक्षा संपन्न हुई। प्रशासन की सख्ती और विद्यार्थियों के उत्साह ने पहले ही दिन परीक्षा केंद्रों पर अनुशासन की एक मिसाल पेश की। परीक्षार्थी सुबह से ही विभिन्न केंद्रों के बाहर खड़े हुए दिखाई दिए। छात्र–छात्राएं प्रवेश पत्र के माध्यम से अपनी कक्षाओं की जानकारी लेते और अंतिम समय तक तैयारी दोहराते नजर आए। प्रशासन ने नकल विहीन परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की है। पयागपुर– पयागपुर ब्लॉक के कौशलेंद्र विक्रम सिंह इंटर कॉलेज कोट बाजार, रामनारायण सिंह इंटर कॉलेज रामनगर खजुरी, अरुण मेमोरियल इंटर कॉलेज अकरौरा, राम प्रकाश इंटर कॉलेज सुहेलवा पर सीसीटीवी कैमरे सक्रिय रहे,सघन तलाशी के बाद परीक्षार्थियों को परीक्षा हाल में प्रवेश करने दिया गया। अरुण मेमोरियल इंटर कॉलेज अकरौरा में पहली पाली (हाई स्कूल) में 12 और दूसरी पाली (इंटरमीडिएट) में 5 परीक्षार्थी अनुपस्थित पाए गए। केंद्र व्यवस्थापक के नेतृत्व में आज पहले दिन की परीक्षा सकुशल संपन्न हुई। कहीं भी किसी भी प्रकार की कोई भी दिक्कत नहीं हुई। विशेश्वरगंज–विशेश्वरगंज ब्लॉक के विजय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कन्छर, श्री नन्द इंटर कॉलेज पहुँचकट्टा, सम्राट अशोक एमकेपी इंटर कॉलेज पुरैनाबाजार, मोक्षद्वार इंटर कॉलेज कुरसहा, ब्राइट वे उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तकिया बेलास, माया देवी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बुलाकी पुरवा बसनेरा तथा वीर इंटर कॉलेज धनुही समेत सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे सक्रिय रहे। केंद्र व्यवस्थापकों द्वारा सघन तलाशी के बाद ही परीक्षार्थियों को प्रवेश दिया गया। कई केंद्रों पर स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती कर निगरानी और कड़ी कर दी गई है। लगातार मजिस्ट्रेट की गाड़ियां हर परीक्षा केन्द्रों पर दौड़ती हुई नजर आई। समय पालन को लेकर भी सख्ती बरती गई। परीक्षा शुरू होने से आधा घंटा पहले ही केंद्रों के गेट बंद कर दिए गए। देर से पहुंचने वाले कुछ परीक्षार्थियों को बाहर ही रुकना पड़ा, जिससे अन्य छात्रों में समय पर पहुंचने को लेकर जागरूकता बढ़ी। पहले दिन छात्रों में आत्मविश्वास के साथ हल्की घबराहट भी झलकती रही। घंटी बजते ही परीक्षा कक्षों में सन्नाटा छा गया और विद्यार्थी प्रश्नपत्र हल करने में जुट गए। बाहर खड़े अभिभावक बच्चों का हौसला बढ़ाते हुए परीक्षा समाप्त होने तक इंतजार करते रहे। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार पूरी परीक्षा अवधि में कंट्रोल रूम से भी ऑनलाइन मॉनिटरिंग की जा रही है। किसी भी प्रकार की अनियमितता या नकल की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।पहले दिन की परीक्षा शांतिपूर्वक और व्यवस्थित ढंग से संपन्न होने से प्रशासन ने राहत की सांस ली है। कड़ी निगरानी और अनुशासन के बीच परीक्षा का सफल आगाज होने से यह संदेश स्पष्ट है कि इस बार बोर्ड परीक्षा पूरी पारदर्शिता और सख्ती के साथ कराई जाएगी।

महराजगंज में मामा–भांजी के प्रेम प्रसंग का दर्दनाक अंत, युवती की मौत, युवक पुलिस हिरासत में

दैनिक बुद्ध का संदेश

महराजगंज/सिसवा बाजार। जनपद के कोठीभार थाना क्षेत्र के ग्राम बरवा डिगंबर में प्रेम प्रसंग का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। दूर के रिश्ते में मामा–भांजी बताए जा रहे युवक–युवती द्वारा कथित रूप से जहरीला पदार्थ सेवन करने के बाद युवती की मौत हो गई, जबकि युवक उपचार के बाद पुलिस हिरासत में है। जानकारी के अनुसार, बरवा डिगंबर निवासी इंद्रेश पुत्र ढोढ़ई का थाना भिटौली क्षेत्र के ग्राम रुदलापुर निवासी शालू (24 वर्ष) पुत्री दयाशंकर से मोबाइल फोन के माध्यम से संपर्क हुआ था। बातचीत के दौरान दोनों के बीच प्रेम संबंध स्थापित हो गए। बताया जा रहा है कि दोनों दूर के रिश्ते में मामा–भांजी लगते थे। इंद्रेश पहले से विवाहित है और उसके बच्चे भी हैं। कुछ दिन पूर्व दोनों घर से लापता हो गए थे, जिसके बाद युवती के परिजन उसकी तलाश में जुटे थे। सूत्रों के अनुसार, जब दोनों वापस गांव लौट रहे थे, तभी रास्ते में कथित रूप से जहरीला पदार्थ खा लिया। गांव पहुंचने के बाद दोनों की हालत अचानक बिगड़ गई। परिजनों को जानकारी होने पर अफरा–तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस की टीम ने युवती को मृत घोषित कर दिया, जबकि युवक को गंभीर अवस्था में अस्पताल भेजा गया। इलाज के

बाद युवक की हालत में सुधार हुआ, जिसके पश्चात उसे पुलिस अभिरक्षा में लेकर थाने लाया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवती के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी भेज दिया। मृतका के माता–पिता और परिजनों ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

इस संबंध में थानाप्रभारी कोठीभार धर्मेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। प्रेम संबंध, सामाजिक बंधन और पारिवारिक दबाव के बीच एक युवती की जान चली गई, जबकि युवक अब कानून की प्रक्रिया का सामना कर रहा है। फिलहाल, सभी की निगाहें पुलिस जांच पर टिकी हैं।

निर्धारित लक्ष्य समय सीमा के अन्दर शत–प्रतिशत निर्माण कार्य कराये जाये पूर्ण–जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने बुधवार कलेक्ट्रेट

सभागार में नवीन व्यवस्था अन्तर्गत सी0एम0 डैशबोर्ड के माध्यम से विकास कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि जिन विभागों को शासन द्वारा जो भी लक्ष्य निर्धारित किया गया है, वह उसका शत–प्रतिशत निर्धारित समय अवधि में पूर्ण करना सुनिश्चित करें, समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी लोन योजना के भी प्रगति की समीक्षा की और उपायुक्त उद्योग एवं एल0डी0एम0 को निर्देशित करते हुए कहा कि प्राथमिकता के आधार पर मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के लाभार्थियों के पत्रावलियों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाये, इस दौरान उन्होंने आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा की, समीक्षा के दौरान उन्होंने सम्बन्धित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि आई0जी0आर0एस0 पर प्राप्त शिकायतों का निस्तारण ससमय व गुणवत्ता पूर्ण तरीके से सुनिश्चित कराया जाये, उन्होंने कहा कि जिन अधिकारियों द्वारा शिकायतों का निस्तारण गुणवत्ता पूर्ण तरीके से नहीं किया जा रहा है और असंतुष्ट फिडबैक प्राप्त हो रहा है, ऐसे अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए करते हुए कहा कि विकास कार्यों, लाभार्थीपरक व जन कल्याणकारी योजनाओं जैसे कार्यों के प्रगति में तेजी लायी जाये, अन्यथा की स्थिति में सम्बन्धित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए विभागीय कार्यवाही हेतु उच्चाधिकारियों को पत्राचार करना सुनिश्चित किया जायेगा। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, जिला विकास अधिकारी हेमन्त कुमार सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी संतपाल वर्मा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आनन्द पाण्डेय, जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक जय राम सिंह, डी0सी0 मनरेगा रवीन्द्र वीर सिंह, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, परियोजना निदेशक डी0आर0डी0ए0 एस0के0 राय, जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह भदौरिया सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

गुरु गोविंद सिंह स्मृति चौक का जीर्णोद्धार कार्य शुरू

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। कंपनी बाग स्थित गुरु गोविंद सिंह स्मृति चौक का जीर्णोद्धार कार्य विधिवत रूप से आरंभ हो गया। वर्ष 1999–2000 में स्थापित इस स्मृति चौक का निर्माण उस समय के विधायक जगदंबिका पाल एवं उनकी धर्मपत्नी, तत्कालीन चेयरमैन स्नेह लता पाल द्वारा कराया गया था। इसका उद्घाटन प्रदेश सरकार के पूर्व प्रमुख सचिव सरदार राय सिंह (आईएएस) ने किया था। समय के साथ चौराहा चौड़ा होने और उपेक्षा के कारण चौक जर्जर अवस्था में पहुंच गया था। कई दिनों से इसके भव्य सौंदर्यीकरण की मांग उठ रही थी। शासन–प्रशासन तक आवाज पहुंचाई गई, जिसका सकारात्मक परिणाम सामने आया। जिला प्रशासन के निर्देशन में जीर्णोद्धार कार्य प्रारंभ हो गया। कार्य की शुरुआत गुरु घर की अरदास के साथ हुई। गुरुद्वारा साहिब बस्ती के मुख्य ग्रंथी द्वारा अरदास प्रार्थना कर "बोले सो निहाल, सत श्री अकाल" के जयघोष के साथ निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। सिख समुदाय के लोगों ने जिलाधिकारी, अपर जिलाधिकारी, निर्माण खंड

लोक निर्माण विभाग, नगर पालिका परिषद बस्ती तथा कंपनी बाग के निवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर निर्माण खंड के सहायक अभियंता विश्वकर्मा सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नगर पालिका चेयरमैन प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, सरदार जगबीर सिंह, हरभजन सिंह, हरि सिंह बबलू, कुलदीप सिंह, अमृत पाल सिंह सनम, मनप्रीत सिंह, हरदीप सिंह, राजेंद्र सिंह काका, अमरीक सिंह, गोलू मौर्य, जसबीर सिंह विक्की, गुरविंदर सिंह, कुलवंत सिंह, सेकी सिंह, दमनप्रीत सिंह, इंदर पाल सिंह, सरबजीत सिंह, हरमन सिंह, अमनदीप सिंह, डिप्टी सिंह, सोनू सिंह, तरनजीत सिंह, राजा सिंह, सतेंद्र सिंह, कर्ण सिंह, प्रमोद सुरी, पीटू शुक्ला, पवन मल्होत्रा, हर्ष कालरा, जय प्रकाश, ओम प्रकाश, शशि अरोड़ा, नीरज धवन, राजेश श्रीवास्तव, चित्रगुप्त व अवनीश श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में सिख समुदाय एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। जीर्णोद्धार के बाद यह स्मृति चौक एक बार फिर बस्ती शहर की शोभा।

फिलिप्स– रविंद्र की आंधी में उड़ा कनाडा, न्यूजीलैंड की सुपर 8 में शान से एंट्री

युवराज समरा की शानदार पारी निष्फल साबित हुई क्योंकि न्यूजीलैंड ने मंगलवार को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में चल रहे आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के 31वें मैच में कनाडा को आठ विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ, न्यूजीलैंड सुपर एट्स के लिए क्वालीफाई करने वाली छठी टीम बन गई, और कनाडा टूर्नामेंट में लगातार तीसरी हार के बाद दौड़ से बाहर हो गया। 174 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए, न्यूजीलैंड ने तीसरे ओवर में सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट का विकेट खो दिया। उन्होंने 10 गेंदों पर सिर्फ छह रन बनाए। उनके तुरंत बाद फिन एलन भी आउट हो गए, जिन्होंने दो चौकों और एक छक्के सहित सिर्फ आठ गेंदों पर 21 रन बनाए। इसके बाद रचिन रविंद्र और ग्लेन फिलिप्स ने 72 गेंदों पर 146 रनों की अटूट साझेदारी की और कीवी टीम को सिर्फ 15.1 ओवर में आठ विकेट शेष रहते लक्ष्य तक पहुँचा दिया। फिलिप्स ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 36 गेंदों में 76 रन बनाए, जिसमें चार चौके और छह छक्के शामिल थे। रवींद्र ने भी 39 गेंदों में 59 रन की नाबाद पारी खेली, जिसमें तीन छक्के और चार चौके शामिल थे। मैच जिताने वाले प्रदर्शन के लिए फिलिप्स को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने फील्डिंग करते हुए तीन कैच भी पकड़े। इससे पहले, 19 वर्षीय समरा ने मात्र 65 गेंदों में 110 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और छह छक्के शामिल थे। इस पारी की बदौलत कनाडा ने न्यूजीलैंड के सामने 174 रनों का बड़ा लक्ष्य रखा। समरा ने टी20 विश्व कप में शतक बनाने वाले सबसे कम उम्र के बल्लेबाज के रूप में पाकिस्तान के अहमद शहजाद का रिकॉर्ड तोड़ दिया। शहजाद ने 2014 के टी20 विश्व कप में बांग्लादेश के खिलाफ शतक लगाते समय 22 वर्ष की आयु के थे।

उनकी 110 रनों की पारी टी20 विश्व कप में किसी एसोसिएट देश के खिलाड़ी द्वारा बनाया गया सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर भी है। उन्होंने अमेरिका के आरोन जेम्स को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने पिछले संस्करण में कनाडा के खिलाफ 94 रन नाबाद बनाए थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करने का विकल्प चुनते हुए, कनाडा ने समरा और कप्तान दिलप्रीत बाजवा (39 गेंदों में 36 रन) के साथ शुरुआत की, और दोनों ने पहले विकेट के लिए 116 रन जोड़े।

क्षेत्राधिकारी नगर की अध्यक्षता में एसजेपीयू एवं एएचटीयू की मासिक समीक्षा एवं समन्वय बैठक संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस महानिदेशक, महिला सम्मान प्रकोष्ठ उ0प्र0, लखनऊ के आदेश के क्रम में तथा पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में बुधवार को रिजर्व पुलिस लाइन चुर्क, जनपद के सभागार कक्ष में क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा की अध्यक्षता में स्पेशल जुवेनाइल पुलिस यूनिट एवं एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की मासिक समीक्षा एवं समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में कानून का उल्लंघन करने वाले बालकों, देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों, गुमशुदा/लापता बालकों की त्वरित बरामदगी, किशोर न्याय (जे0जे0) अधिनियम एवं पॉक्सो अधिनियम से संबंधित प्रकरणों की प्रभावी विवेचना एवं पीड़ित बालकों को समयबद्ध रूप से बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किए जाने की प्रक्रिया की गहन समीक्षा की गई। विशेष रूप से पॉक्सो मामलों में प्रारूप (क) एवं प्रारूप (ख) को शुद्ध एवं समयबद्ध रूप से पूर्ण करने, किशोर न्याय बोर्ड से निर्गत सम्मनों की समय पर तामिला सुनिश्चित करने, तथा बाल कल्याण पुलिस अधिकारियों/विवेचकों के समक्ष आ रही व्यावहारिक समस्याओं के समाधान पर विस्तारपूर्वक विचार–विमर्श किया गया। बैठक में बाल अधिकारों की सुरक्षा, बाल तस्करी की रोकथाम, विद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम संचालित करने, तथा विभिन्न विभागों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने हेतु ठोस कार्ययोजना तैयार की गई। इस अवसर पर अध्यक्ष/सदस्य बाल कल्याण समिति, अभियोजन अधिकारी, जिला बाल संरक्षण इकाई, किशोर न्याय बोर्ड के सदस्यगण, चाइल्ड हेल्पलाइन प्रतिनिधि, श्रम विभाग, वन स्टॉप सेंटर, थाना एएचटीयू एवं एसजेपीयू के अधिकारी/कर्मचारी तथा जनपद के समस्त थानों के बाल कल्याण पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

नवजोत कौर का राहुल पर अब तक का सबसे बड़ा हमला, आप इस कुर्सी के लायक नहीं हैं

कांग्रेस से निष्कासित नेता नवजोत कौर सिद्धू ने पार्टी नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए उन पर जमीनी हकीकतों से बेखबर होने का आरोप लगाया और 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों में पार्टी की हार की भविष्यवाणी की। तमिलनाडु के कोयंबटूर में एक रैली को संबोधित करते हुए सिद्धू ने कहा कि गांधी समझदारी की बातें तो करते हैं, लेकिन उन पर अमल नहीं करते। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने पंजाब इकाई में कथित अनियमितताओं को उजागर करने के लिए आठ महीने का समय मांगा था, जिसमें चुनाव टिकटों की षबिक्रीष के आरोप भी शामिल थे, लेकिन उनकी बात अनसुनी कर दी गई। नवजोत कौर ने एएनआई को बताया कि वो बातें तो अच्छी करते हैं, समझदारी की बातें करते हैं। लेकिन उनके काम और बातें बिलकुल अलग हैं। पिछले आठ महीनों से मैं उनसे समय मांग रही हूं ताकि उन्हें बता सकूं कि पंजाब में उनके लोग, उनके अध्यक्ष, न्याय नहीं कर रहे हैं। वो पंजाब में कांग्रेस को खत्म कर रहे हैं। मैं उनसे पद मांग

नौतनवा में संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत, जहर खाने की आशंका

दैनिक बुद्ध का संदेश

महराजगंज/नौतनवां। नौतनवा कस्बे के बिस्मिल शाह नगर मोहल्ले में एक युवक की

संदिग्ध परिस्थितियों में बुधवार की सुबह मौत हो जाने से क्षेत्र में शोक का माहौल है। मृतक की पहचान शुभम कुमार उर्फ विकास (लगभग 20 वर्ष) के रूप में हुई है। आशंका जताई जा रही है कि युवक ने मंगलवार की शाम किसी कारणवश जहरीला पदार्थ सेवन कर लिया था। परिजनों को घटना की जानकारी होने पर उन्होंने तत्काल युवक को नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान बुधवार सुबह लगभग 7 बजे उसकी मृत्यु हो गई। बताया जाता है कि मृतक के पिता का पहले ही निधन हो चुका है और परिवार में उसका एक बड़ा भाई आकाश है, जो कपड़े की दुकान पर काम करता है। शुभम स्वयं लोन लेकर ई–रिक्शा चलाता था और उस पर कुछ कर्ज भी था। परिजनों एवं स्थानीय लोगों के अनुसार, युवक पिछले कुछ दिनों से मानसिक तनाव और अवसाद में था। घटना की सूचना मिलने पर क्षेत्राधिकारी तथा थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। क्षेत्राधिकारी अंकुर गौतम ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। घटना की जानकारी मिलते ही नगर के जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे तथा शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया। साथ ही मामले की निष्पक्ष जांच की मांग भी की गई है।

डीएम की अध्यक्षता में किसान दिवस का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी उपस्थित रहे। किसान दिवस में उपस्थित किसान एवं अधिकारियों का स्वागत करते हुए उप कृषि निदेशक/जिला कृषि अधिकारी द्वारा पिछले माह में किसानों द्वारा बताई गई समस्याओं के अनुपालन आख्या प्रस्तुत की गयी, जिसमे अवगत कराया गया कि उपस्थित कृषकों द्वारा ड्रोन के छिड़काव के विषय में जानकारी मांगी गई जिस पर इफको के क्षेत्राधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि ड्रोन उपलब्ध है किसान अपनी सुविधा अनुसार उसको अपने यहां मंगाकर छिड़काव कर सकता है। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि ड्रोन द्वारा जहां छिडकाव हुआ है उसकी सूची उपलब्ध कराते हुए गेहूं में छिड़काव कराया जाने वाले दवाओ के बारे में जानकारी दी जाए। इस पर क्षेत्राधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि

ड्रोन द्वारा छिड़काव किए गए क्षेत्र की सूची उपलब्ध करा दी गई है। किसान दिवस में नैना झाला के किसान श्री श्याम मोहन द्वारा अवगत कराया गया कि जो नलकूप की समस्या पिछले बार बताई गई थी उसका समाधान हो गया है। राजेंद्र राय नाथनगर द्वारा गेहूं के बीज के जमाव की चर्चा की गई। जिस पर जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति ना हो एवं किसानों को क्षतिपूर्ति हेतु विभाग को पत्र लिखा जाए। राजेंद्र राय द्वारा अवगत कराया गया कि हैंडपंप की समस्या का समाधान विभाग द्वारा कर दिया गया है। राजेंद्र राय नाथ नगर द्वारा अवगत कराया गया कि कृषि कल्याण केंद्र की स्थापना नाथनगर में होनी है एवं इसके लिए धन भी स्वीकृत है परन्तु ठेकेदार द्वारा चयनित भूमि पर निर्माण नहीं कराकर मोलनापुर में भवन बनाए जाने के बात कही जा रही है जो की उचित नहीं है क्योंकि यह नाथनगर में सबसे किनारे स्थित है। इस पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि अधिशासी अभियंता उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण एवं श्रम विकास सहकारी समिति लिमिटेड (UPCLDF LUCKNOW) को एक नोटिस दिया जाए की तत्काल निर्माण शुरू करें अन्यथा उन्हें ब्लैक लिस्ट कर दिया जाएगा। नसीम अहमद ग्राम प्रसादपुर थाना दुधारा द्वारा अवगत कराया गया कि उनके गांव में स्थित उनके जमीन का हिस्सा तालाब में है और वहां पर बांध नहीं है जिसकी वजह से पानी भर जाने से धान की फसल बर्बाद हो जाती है अतः वहां पर बांध का निर्माण हटा दिया जाए। राजेंद्र राय नाथनगर द्वारा अवगत कराया गया कि राधिका राय पत्नी स्वर्गीय शंभू राय ग्राम बैदद्वा विकासखंड नाथ नगर का विधवा पेंशन वर्ष 2024–25 में बनवाया गया था जो की स्वीकृत होकर धनराशि निर्गत होना दिखाई दे रहा है परंतु वह खाते में नहीं प्राप्त हो रहा है। इन्होंने निवेदन किया कि उनके संलग्न खाते में उक्त पेंशन की धनराशि पोस्ट ऑफिस में भेजी जाए जिस पर जिलाधिकारी द्वारा कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया। इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी हरिकेश यादव, जिला विकास अधिकारी प्रेम प्रकाश त्रिपाठी, उप कृषि निदेशक डा0 राकेश कुमार सिंह, जिला कृषि अधिकारी डा0 सर्वेश कुमार यादव, जिला उद्यान अधिकारी समुद्रगुप्त मल्ल, प्रगतिशील किसान सुरेन्द्र राय सहित आदि उपस्थित रहे।

बाल उत्सव 'प्रगति–स्वाभिमान और सफलता की ओर 2.0' में बच्चों ने भरी रचनात्मक उड़ान

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोण्डा। गोण्डा जनपद के प्रकाश मैरिज हॉल,पंतनगर में आयोजित प्रगतिदृस्वाभिमान और सफलता की ओर 2.0 बाल उत्सव में बच्चों की रचनात्मकता, आत्मविश्वास और सामाजिक चेतना का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आयुक्त देवीपाटन मंडल शशि भूषण लाल सुशील ने कहा कि मीना मंच केवल एक मंच नहीं, बल्कि बच्चों के सपनों, स्वाभिमान और नेतृत्व क्षमता को सशक्त करने की प्रयोगशाला है।आयुक्त ने कहा कि जब बच्चे अपनी कहानी स्वयं लिखते हैं, कॉमिक्स बनाते हैं और जेंडर स्टीरियोटाइप, मीडिया के आदर्श स्वरूप तथा हानिकारक बॉडी टॉक जैसे विषयों पर विचार रखते हैं, तब वे केवल प्रतिभागी नहीं रहते– वे परिवर्तन के वाहक बनते हैं। शिक्षा का उद्देश्य पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न होकर अभिव्यक्ति, निर्णय क्षमता, सामाजिक संवेदनशीलता और नेतृत्व कौशल का विकास होना चाहिए।

आयुक्त ने बच्चों की प्रस्तुतियों की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक और डिजिटल युग में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अभिभावकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों से नियमित रूप से संवाद बनाए रखें, उनकी भावनाओं, विचारों और समस्याओं को गंभीरता से सुनें तथा विश्वास का वातावरण तैयार करें,जिससे बच्चे स्वयं को अकेला या उपेक्षित न महसूस करें।आयुक्त ने विशेष रूप से बच्चों की स्क्रीन गतिविधियों पर संतुलित निगरानी रखने की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि मोबाइल, टीवी और इंटरनेट का अत्यधिक उपयोग बच्चों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। इसके विकल्प के रूप में खेलकूद, योग, व्यायाम और अन्य शारीरिक गतिविधियों को दिनचर्या में शामिल करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अनेक बच्चे अवसाद, तनाव और नकारात्मक सोच से गुजर रहे हैं, ऐसे में अभिभावकों को समय–समय पर परामर्श (काउंसलिंग) की व्यवस्था करनी चाहिए।कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को आयुक्त देवीपाटन मंडल शशि भूषण लाल सुशील के हाथों द्वारा पुरस्कृत किया गया।इस अवसर पर चौंपियन ऑफ चेंज श्रेणी में 10 बच्चों को सम्मानित किया गया, जिनमें गोण्डा की अनसुइया यादव व लक्ष्मी सोनी, बलरामपुर की साक्षी, श्रावस्ती की अनुप्रिया, बहराइच की निधि तिवारी सहित अन्य प्रतिभाशाली बच्चे शामिल रहे। जनपदीय अधिकारी मौजूद रहे।

इलाज के दौरान एक महिला और उसके नवजात शिशु की हुई मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर/बहराइच। गोंडा शहर स्थित जीवन दीप चिकित्सालय में इलाज के दौरान एक महिला और उसके नवजात शिशु की मौत का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मृतका के परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही, गलत तरीके से खून चढ़ाने और समय रहते रेफर न करने का आरोप लगाया है। घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। मिली जानकारी अनुसार मृतका पूजा सिंह, पत्नी सर्वेश सिंह, निवासी बैदौरा थाना पयागपुर जनपद बहराइच, बताई जा रही हैं। उनके पति सर्वेश सिंह वर्तमान में श्रीनगर (कश्मीर) में भारतीय सेना में तैनात हैं। घटना की सूचना मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। परिजनों के अनुसार, पूजा सिंह का इलाज अस्पताल की संचालिका डॉ. गुंजन भटनागर के यहां चल रहा था। 10 फरवरी की रात प्रसव पीड़ा होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टर ने नॉर्मल डिलीवरी संभव न होने की बात कहकर ऑपरेशन की सलाह दी। 11 फरवरी को ऑपरेशन के दौरान नवजात की मौत की सूचना

परिजनों को दी गई। परिजनों का आरोप है कि बच्चे की मौत के बाद भी अस्पताल प्रबंधन ने गंभीर हालत में पूजा को उच्च केंद्र पर रेफर नहीं किया। मृतका के देवर राम सिंह ने कोतवाली नगर पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया है कि अस्पताल ने 20 हजार रुपये जमा कराए और पुराना खून चढ़ा दिया, जिसके बाद पूजा की तबीयत और बिगड़ गई। परिजनों का कहना है कि खून चढ़ते ही उनके शरीर में झनझनाहट और बेचैनी शुरू हो गई, लेकिन डॉक्टर ने स्थिति सामान्य बताकर रेफर करने से इनकार कर दिया। लगातार बिगड़ती हालत के बीच 15 फरवरी को पूजा सिंह ने दम तोड़ दिया। जच्चा–बच्चा दोनों की मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया। अस्पताल परिसर में परिजनों ने विरोध प्रदर्शन किया और प्रबंधन पर सच छिपाने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि न तो सही मेडिकल रिपोर्ट दी गई और न ही उपचार की वास्तविक स्थिति बताई गई। पीड़ित परिवार ने कोतवाली नगर में प्रार्थना पत्र देकर एफआईआर दर्ज करने और दोषियों के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की मांग की है। इस हृदयविदारक घटना से गांव में शोक की लहर है, वहीं सीमाओं पर देश सेवा में तैनात पति के परिवार पर टूटा यह दुख क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विधायक अजय सिंह ने सदन में उठाया मनोरमा, कुआनो नदी के पुनर्जीवन का मुद्दा

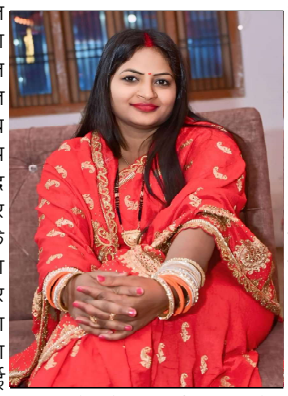

बस्ती। बजट सत्र के दौरान विधानसभा में बुधवार को हर्रैया विधायक अजय सिंह ने मनोरमा और कुआनों नदी के साथ ही क्षेत्र के विभिन्न तालाबों एवं झीलों में निरंतर घटते जलस्तर, बढ़ते प्रदूषण, गंदगी और हो रहे अतिक्रमण का गंभीर विषय सदन में मजबूती से उठाया। विधायक विगत कई वर्षों से मनोरमा नदी के पुनर्जीवन एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु निरंतर प्रयासरत हैं। इसी क्रम में उन्होंने सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए इन नदियों और जलाशयों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए ठोस एवं प्रभावी कार्ययोजना बनाए जाने की मांग किया। इस संबंध में उन्होंने पूर्व में सतीश महाना से आग्रह किया था बुधवार को पुनः इस महत्वपूर्ण विषय पर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित किए जाने की मांग दोहराई। विधायक ने कहा कि नदियाँ और जल स्रोत केवल पर्यावरणीय धरोहर ही नहीं बल्कि जनजीवन, कृषि और भविष्य की आधारशिला हैं। इनका संरक्षण समय की आवश्यकता है।

डीएम द्वारा खलीलाबाद विकासखंड कार्यालय के सभी पटलों/अनुभागों का किया गया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार

द्वारा आज विकासखंड खलीलाबाद कार्यालय के सभी पटलों/अनुभागों का सघन निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी प्रेम प्रकाश त्रिपाठी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा पत्रावलियों के सुव्यवस्थित ढंग से रख रखाव, पटल से संबंधित पत्रावलियों के नियमानुसार व त्वरित निस्तारण, कार्यालय परिसर में साफ–सफाई सहित अन्य बिंदुओं पर संबंधित कार्यालय/पटल सहायक को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी द्वारा सर्वप्रथम सभी कक्षों का निरीक्षण किया गया तथा अन्य विभागों द्वारा कब्जा किए गए कक्षों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की गयी तथा उसे हटाने हेतु सम्बन्धित से पत्राचार करने का आश्वासन दिया गया। सभी योजनाओं का गहन निरीक्षण किया गया। मनरेगा के वर्तमान स्थिति के सम्बन्ध में जानकारी ली गयी तथा मनरेगा योजना के अन्तर्गत दो परियोजनाओं का निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया। एनआरएलएम योजना के अन्तर्गत प्रगति की जानकारी ली गयी तथा अब तक के प्रगति के सम्बन्ध में संतोष व्यक्त किया गया। बाबा साहब अंबेडकर रोजगार प्रोत्साहन योजना के लक्ष्य एवं पूर्ति के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर लक्ष्य के सापेक्ष पूर्ति करने हेतु निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी द्वारा विकास खण्ड में अधिष्ठापित इण्डिया मार्का –2 हैण्डपम्पों के सम्बन्ध में जानकारी ली गयी तथा निर्देश दिए गए कि गर्मी का मौसम आने वाला है सभी खराब हैण्डपम्पों को समय से ठीक करा दिये जाये। विकास खण्ड में संचालित गौशालाओं के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की गई तथा किसी भी गौशाला का स्वयं द्वारा निरीक्षण करने की बात की गयी। सम्बन्धितों को निर्देशित किया गया कि वे समय से आफिस आये और जनता की जो भी समस्याएं आती है उनका त्वरित व गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण करें। साथ ही साथ शिकायतों का भी स्थलीय निरीक्षण कर निस्तारण करना सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान जिला विकास अधिकारी प्रेम प्रकाश त्रिपाठी, खण्ड विकास अधिकारी, स0वि0अ0 (पं), स0 वि0अ0 (ग्राम्य विकास), लेखाकार एवं अन्य विकास खण्ड के कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

एआरपी एसोसिएशन का निर्वाचन सम्पन्नः रविशंकर मिश्र अध्यक्ष, बब्बन पाण्डेय मंत्री बने

बस्ती। एआरपी एसोसिएशन उत्तर प्रदेश का जनपदीय निर्वाचन प्रेस क्लब सभागार में बुधवार को सम्पन्न हुआ। चुनाव अधिकारी एआरपी एसोसिएशन सिद्धार्थनगर के जिलाध्यक्ष सत्येन्द्र बहादुर सिंह और चुनाव पर्यवेक्षक बस्ती मण्डल के संयोजक मारुति नन्दन श्रीवास्तव की देखरेख में जनपदीय कार्यसमिति का निर्वाचन संपन्न हुआ। सर्वसम्मति से रविशंकर मिश्र जिलाध्यक्ष, विजय कुमार राव वरिष्ठ उपाध्यक्ष, बबल प्रसाद पाण्डेय मंत्री, राहुल उपाध्याय संयुक्त मंत्री, शिव प्रसाद चौधरी कोषाध्यक्ष, उमा शंकर पाण्डेय, ओमकार नाथ उपाध्याय, गरिमा त्रिपाठी और अभिनव मिश्र उपाध्यक्ष, राजीव शुक्ल, कल्पना तिवारी, अमित मिश्र, दिलीप उपाध्याय और मनोज उपाध्याय संगठन मंत्री तथा अंकित सिंह मीडिया प्रभारी चुने गए। नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाते हुए चुनाव अधिकारी और पर्यवेक्षक ने कहा कि आप सभी को पूरे जिले के एआरपी ने जो जिम्मेदारी दिया है उसका निष्ठा से निर्वहन करते हुए कार्य करें। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी ने जो भरोसा किया है पूरा प्रयास होगा कि हम सभी आप सबके विश्वास पर खरा उतरें।इस अवसर पर सन्तोष शुक्ल, प्रदीप कुमार गुप्ता, आशीष दूबे, अखिलेश कुमार, उमा शंकर पाण्डेय, अनिल कुमार यादव, अवधनारायण चौधरी, अखंड सिंह, आनंद कुमार पांडेय, अनुराग श्रीवास्तव, बृजेश कुमार चौधरी, विवेक उपाध्याय, अरविंद कुमार, सारिक सिद्दीकी, अभिषेक शुक्ल, अश्वनी कुमार वर्मा, श्याम जी आदि उपस्थित रहे।

तहसील तरबगंज में कम वसूली करने वाले 20 अमीनों को नोटिस जारी करने के लिए निर्देश–डीएम

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद की डीएम प्रियंका निरंजन ने

तहसील तरबगंज का औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण का उद्देश्य प्रशासनिक कार्यों की गति, कार्यालयीन अनुशासन और जनता को मिलने वाली सेवाओं की गुणवत्ता का प्रत्यक्ष मूल्यांकन करना था।निरीक्षण के दौरान डीएम ने उपजिलाधिकारी कोर्ट, भूलेख विभाग, कलेक्शन विभाग सहित अन्य कार्यालयों का विस्तृत निरीक्षण किया।उन्होंने देखा कि कुछ विभागों में कार्यों की गति अपेक्षित मानक के अनुसार नहीं थी,विशेष रूप से कलेक्शन विभाग में 20 अमीनों द्वारा वसूली कम होने की जानकारी मिली।इस पर जिलाधिकारी ने कलेक्शन विभाग को कड़े निर्देश दिए हैं कि कम वसूली करने वाले अमीनों के विरुद्ध नोटिस जारी किया जाए और आगामी समय में पूर्ण वसूली सुनिश्चित की जाए।इसके साथ ही तहसीलदार तरबगंज को भी निर्देशित किया गया कि वे नियमानुसार अधिक से अधिक मामलों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करें।डीएम ने सभी अधिकारियों को यह स्पष्ट किया कि जनता की समस्याओं का समय पर समाधान और मामलों का शीघ्र निपटान प्रशासन की मुख्य प्राथमिकता होनी चाहिए।निरीक्षण के दौरान प्रियंका निरंजन ने कार्यालयीन अनुशासन और साफ–सफाई पर भी विशेष ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि तहसील परिसर में स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा जाए और कार्यालयों में अभिलेखों का रखरखाव व्यवस्थित रूप से सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने कर्मचारियों को निर्देशित किया कि अभिलेखों का डिजिटल और भौतिक रूप में सुव्यवस्थित रखरखाव किया जाए ताकि किसी भी समय आवश्यक जानकारी तुरंत उपलब्ध हो सके।डीएम ने यह भी कहा कि जनता को सेवा देने में कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से अपील की कि वे जिम्मेदारी के साथ अपने कार्यों का पालन करें और तहसील तरबगंज में प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने में सहयोग करें।निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी तरबगंज विश्वामित्र, तहसीलदार तरबगंज आशुतोष पांडेय सहित सभी संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गदामार कला में लगाया गया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। डा. सर्वेश कुमार शुक्ला आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, सबलापुर बहराइच द्वारा ग्राम पंचायत भवन गदामार कला में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित हुआ। इस शिविर में ग्रामीण क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श, जांच एवं दवाओं का लाभ उठाया। चेयरमैन डॉ. सर्वेश कुमार शुक्ला के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से यह शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना संस्था का मुख्य उद्देश्य है और भविष्य में भी ऐसे निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे। विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा 119 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निश्शुल्क दवाएं दी गई। इस दौरान डॉ. शैलेन्द्र श्रीवास्तव (डिप्टी मेडिकल सुपरिंटेंडेंट),डॉ. संदीप वर्मा,डॉ. इरफान कुरैशी,डॉ. निधि पोरवाल,फार्मासिस्ट राबिया खातून,गुरु प्रसाद,लैब असिस्टेंट अंकित शुक्ला,महेंद्र शुक्ला, अरुण यादव एवं अन्य सहयोगी चिकित्सकों द्वारा विभिन्न रोगों की जांच कर आयुर्वेदिक उपचार एवं आवश्यक परामर्श दिया गया। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन की अपेक्षा व्यक्त की। यह शिविर क्षेत्रवासियों के लिए अत्यंत लाभकारी एवं सराहनीय पहल सिद्ध हुआ। इस मौके पर पूर्व प्रधान राम लखन, .ष्णा यादव,जुमना यादव समेत अन्य मौजूद रहे।

महापौर डा0 मंगलेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में नगर निगम कार्यकारिणी समिति की 12वीं बैठक सम्पन्न

संवाददाता, गोरखपुर। महापौर डा0 मंगलेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में नगर निगम कार्यकारिणी समिति की 12वी बैठक अपरान्ह 02.00 बजे से आहूत की गई जिसमें एजेण्डा के अनुसार कार्यकारिणी समिति की 11वीं बैठक दिनांक 15.11.2025 के कार्यवाही की पुष्टि की गयी। एजेण्डा के अनुसार द्वितीय बिन्दु नगर निगम, गोरखपुर का मूल बजट वित्तीय वर्ष 2026–27 का प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ जिसमें आय पक्ष रू0 132394.71 लाख तथा व्यय पक्ष रू0 126820.50 का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। जी0डी0ए0 की 16 कालोनियों के हस्तान्तरण (हैण्डओवर) लिए जाने पर महापौर को उप सभापति, सदस्यों एवं उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा बधाई दिया गया। नगर निगम के सभी वाहनों का समय से बीमा कराने हेतु निर्णय लिया गया।

प्रशिक्षण तरासने की प्रक्रिया है जो सीखता है आगे बढ़ता है : अनिल सिंह

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला कार्यालय पर 7 मार्च से 14 अप्रैल तक भारतीय जनता पार्टी के प्रत्येक मण्डल में होने वाले पं0 दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान की जिला कार्यशाला बुधवार को सम्पन्न हुई। कार्यशाला में मुख्यअतिथि जिला प्रभारी अनिल सिंह , भाजपा जिलाध्यक्ष नन्द लाल ने महाभियान को लेकर विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन किया। कार्यशाला का संचालन जिला महामंत्री एवं प्रशिक्षण अभियान के जिला संयोजक रामसुन्दर निषाद ने किया। पार्टी ने तय किया है कि बूथ स्तर तक प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किए जायेंगे। कार्यशाला में बड़ी टीवी स्क्रीन पर पीपीटी के माध्यम से पार्टी के नवाचार पंचपरिवर्तन आगामी कार्यक्रमों और करणीय कार्यो की जानकारी दी गयी। कार्यशाला मे बतौर मुख्यअतिथि जिला प्रभारी अनिल सिंह ने कहा कि प्रशिक्षण तरासने की प्रक्रिया है। जो सीखता है वह बढ़ता है, जो सीखना बंद कर देता है वो बढ़ना भी बंद कर देता है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति निर्माण से ही संगठन का निर्माण होता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान को संगठन सशक्तिकरण का ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि यह अभियान कार्यकर्ताओं को विचार, व्यवहार और नेतृत्व तीनों स्तरों पर समृद्ध करेगा। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय और एकात्म मानववाद का दर्शन ही भाजपा की कार्यसंस्.ति की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण केवल जानकारी देने का माध्यम नहीं, बल्कि कार्यकर्ता के व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया है। इससे संगठन की कार्यपद्धति में एकरूपता आएगी और सेवा, समर्पण तथा राष्ट्रहित की भावना और अधिक प्रखर होगी। उन्होंने विश्वास जताया कि यह महाअभियान भाजपा को बूथ स्तर तक और अधिक संगठित, सक्रिय और प्रभावी बनाएगा। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान को संगठनात्मक .

ष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह अभियान कार्यकर्ताओं में वैचारिक स्पष्टता, अनुशासन और कार्यकुशलता को नई दिशा देगा। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर तक सक्रिय और प्रशिक्षित कार्यकर्ता ही संगठन की वास्तविक शक्ति होते हैं। यह महाअभियान कार्यकर्ताओं को पार्टी की रीति–नीति, सेवा कार्यों और जनसंपर्क अभियान से जोड़ते हुए उन्हें अधिक प्रभावी बनाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस व्यापक प्रशिक्षण से संगठन और अधिक सु.ढ़ होगा तथा राष्ट्र निर्माण के संकल्प को नई ऊर्जा मिलेगी। यह अभियान केवल कार्यक्रमों की श्रृंखला नहीं, बल्कि कार्यकर्ता निर्माण की सतत प्रक्रिया है।

कार्य शाला की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नन्द लाल ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के संदर्भ में कहा कि यह अभियान कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से सशक्त, अनुशासित और सेवा भाव से ओत–प्रोत बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित 'एकात्म मानववाद' की विचारधारा आज भी भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत है। आगे कहा कि प्रशिक्षण कार्यशाला के माध्यम से कार्यकर्ताओं को संस्थापक नेताओं के विचार को आत्मसात करने कि प्रेरणा मिलती है इससे सेवा सपर्मण और राष्ट्रहित की भावना अधिक प्रखर होगी। महाअभियान के माध्यम से बूथ स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक कार्यकर्ताओं को संगठन की कार्यपद्धति, सरकार की नीतियों और जनसेवा के मूल मंत्र से जोड़ा जा रहा है। यह अभियान केवल प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के संकल्प को सु.ढ़ करने का महायज्ञ है। उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्र प्रथम की भावना से कार्य करता है और प्रशिक्षण से उसकी क्षमता, दक्षता और वैचारिक स्पष्टता में वृद्धि होती है। यह महाअभियान संगठन की मजबूती, विस्तार और अंत्योदय के लक्ष्य की प्राप्ति में मील का पत्थर सिद्ध होगा। कार्यशाला में मुख्यरुप से उपाध्यक्ष अनुसूचित आयोग जीत सिंह खरवार, पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक मिश्रा, नि0 जिलाध्यक्ष अजीत चौबे, पूर्व जिलाध्यक्ष धर्मवीर तिवारी, पूर्व सांसद नरेन्द्र कुशवाहा, प्रदेश मंत्री जनजाति मोर्चा नागेश्वर गोंड, प्रशिक्षण कार्यक्रम संयोजक रामसुन्दर निषाद, ओमप्रकाश दूबे, कमलेश चौबे, ब्लॉक प्रमुख नगवां आलोक सिंह, अजीत रावत, सो0मि0 मनोज सिंह, अभय सिंह, भाजपा जिला मिडिया प्रभारी अनूप तिवारी, बृजेश श्रीवास्तव, जिला उपाध्यक्ष अशोक मौर्या, रंजना सिंह, अनिल सिंह गौतम, रमेश पटेल, जिला महामंत्री . ष्णमुरारी गुप्ता, संतोष शुक्ला, शंम्भू नारायण सिंह, विशाल पाण्डेय, पुष्पा सिंह, यादवेन्द्र द्विवेदी, अमरेश चेरो, सरजू बैसवार, दिलिप चौबे, रामलाल चेरो, सीमा गुप्ता, प्रमोद शुक्ला, शिवनाथ जायसवाल, संजय केशरी, विनय श्रीवास्तव, मनीष पटेल सहित सभी मण्डल प्रभारी, मण्डल अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी व प्रकोष्ठ के जिला संयोजक आदि उपस्थित रहे।

मोटे अनाज और परंपरागत बीजों का सरंक्षण जरूरी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। दुद्धी ब्लॉक के ग्राम पंचायत बघाडू के मझियान टोला में बुधवार को बनवासी सेवा आश्रम के आयोजन में सामाजिक कार्यकर्ताओं का संविधान यात्रा पहुंचा अमृत लाल की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन कर संविधान प्रदत्त अधिकारों और कर्तव्य को लेकर चर्चा की गई।अपने संबोधन में राकेश कुमार,चंद्रावती, मनोज कुमार यादव ने कहा कि आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में संस्.ति, और परंपराएं एक साजिश के तहद बदला जा रहा है जिसे हम परिवर्तन मान रहे है। असल में यह स्वाभाविक प्रक्रिया न होकर साजिश का हिस्सा है।हम खुद की भाषा और खान पान को गंवारो की भाषा समझने लगे है।और बोलने में हिचकते है। इसी तरह मोटे अनाज को भोजन का हिस्सा मानने से इनकार करने लगे है। सावा ,मेडो, कोदो , मिझरी, मड़ूआ को नजरअंदाज करने लगे है।अब मोटे अनाज शहर के लोगों के भोजन का हिस्सा बन गया है।इसका मतलब है मोटे अनाज फायदेमंद है। कहा कि आज हमारे पास साग सब्जी,और दलहन के बीज नहीं रह गए मतलब हम कंपनियों के गुलाम हो रहे है।जब खुद के पास बीज नहीं होंगे तो मनमाना दाम पर बीज खरीदना मजबूरी हो जाएगा। राम अवध ने कहा कि हम भारत के नागरिकों के लिए संविधान लिखा गया है हम उसी के आधार पर समता मूलक समाज वादी सोच पर देश का विकास चाहते है लेनिन नियम के साथ कर्तव्य भी संविधान का अहम हिस्सा है। सभी ने संकल्प लिया कि वे जाति धर्म में उलझने के बजाय सामाजिक निर्माण में योगदान करेंगे।स्त्री,पुरुष में भेद नहीं करेंगे। गांव में एक भी बाल विवाह नहीं होगा। मौके पर ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहे।

विंढमगंज क्षेत्र में बिजली उपभोक्ता परेशान, प्रतिदिन बढ़ते बिल के मैसेज से बढ़ी चिंता

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। विंढमगंज क्षेत्र में इन दिनों बिजली उपभोक्ताओं के मोबाइल पर प्रतिदिन बढ़ते बिल और नकारात्मक बैलेंस के संदेश आने से हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। उपभोक्ताओं का कहना है कि रोजाना बिल बढ़ाकर भेजे जा रहे संदेशों से वे मानसिक रूप से परेशान हो रहे हैं। कई उपभोक्ताओं के अनुसार, कनेक्शन पर बैलेंस समाप्त और विच्छेदन से बचने के लिए तत्काल रिचार्ज करें जैसे मैसेज लगातार आ रहे हैं, जिससे लोगों में भय का माहौल बन गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता की कमी के कारण कई लोग इसे वास्तविक बकाया मानकर घबरा रहे हैं। जानकारों के मुताबिक, प्रीपेड स्मार्ट मीटर प्रणाली में दैनिक उपभोग के अनुसार बैलेंस घटता है और उसी आधार पर संदेश भेजे जाते हैं। वहीं, यदि किसी उपभोक्ता का पूर्व बकाया जुड़ा हो तो राशि अधिक दिखाई दे सकती है। बिजली व्यवस्था का संचालन कर रही उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (न्च्च्ब्स्) से उपभोक्ताओं ने स्पष्ट और पारदर्शी जानकारी उपलब्ध कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि विभाग को चाहिए कि वह अधि.त माध्यम से सही सूचना दे, ताकि किसी प्रकार की अफवाह या भ्रम की स्थिति न बने। उपभोक्ताओं ने प्रशासन से भी मांग की है कि यदि बिल में त्रुटि हो तो उसका त्वरित समाधान किया जाए तथा फर्जी लिंक या संदिग्ध मैसेज के प्रति लोगों को जागरूक किया जाए।

क्षेत्राधिकारी दुद्धी द्वारा सेंट मैरी स्कूल, दुद्धी में साइबर जागरूकता कार्यक्रम किया गया आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। क्षेत्राधिकारी दुद्धी राजेश कुमार राय द्वारा थाना दुद्धी क्षेत्रान्तर्गत बुधवार को सेंट मैरी स्कूल, दुद्धी में छात्र–छात्राओं एवं विद्यालय स्टाफ को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने हेतु विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को ऑनलाइन गेमिंग फ्रॉड, सोशल मीडिया दुरुपयोग, फर्जी लिंक/ओटीपी साझा करने के खतरे, साइबर बुलिंग, बैंकिंग धोखाधड़ी, फिशिंग कॉल, डिजिटल अरेस्ट जैसे प्रचलित साइबर अपराधों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही सुरक्षित इंटरनेट उपयोग, मजबूत पासवर्ड बनाने, दो–स्तरीय सुरक्षा (2थ।) का प्रयोग करने तथा अनजान लिंक पर क्लिक न करने के संबंध में आवश्यक सावधानियां बताई गईं। क्षेत्राधिकारी दुद्धी द्वारा विद्यार्थियों को बताया गया कि किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होने पर तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें तथा ्.बलइमतबतपउम.हवअ.पद पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें, जिससे समय रहते धनराशि को होल्ड कराया जा सके। विद्यालय प्रशासन एवं छात्र–छात्राओं द्वारा कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता की गई तथा विभिन्न प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया गया।

पुलिस अधीक्षक ने जनता दर्शन में समस्याएं सुनकर दिए त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में बुधवार को आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण धैर्य के साथ सुना गया। जनता दर्शन में उपस्थित नागरिकों द्वारा भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, गुमशुदगी, साइबर धोखाधड़ी, राजस्व एवं आपसी विवादों सहित अन्य पुलिस संबंधी समस्याओं से अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने प्रत्येक प्रकरण को व्यक्तिगत रूप से सुनते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारी/थाना प्रभारी को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी शिकायतों पर गुणवत्ता पूर्ण जांच करते हुए पीड़ित पक्ष को संतोषजनक कार्यवाही से अवगत कराया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही, विलंब या अनावश्यक उत्पीड़न कतई स्वीकार नहीं किया जाएगा। जिन प्रकरणों में त्वरित हस्तक्षेप अपेक्षित है, उनमें तत्काल प्रभाव से विधिक कार्यवाही सुनिश्चित करने के आदेश भी दिए गए। पुलिस अधीक्षक द्वारा यह भी कहा गया कि जनता दर्शन केवल शिकायत सुनने का माध्यम नहीं, बल्कि पुलिस और जनता के बीच विश्वास, पारदर्शिता एवं जवाबदेही को मजबूत करने का एक सशक्त मंच है। आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान ही पुलिस की प्राथमिकता है।

प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री भिखारी बाबा आश्रम पहुंचे, लिया आशीर्वाद

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। रामगढ़ कसारी स्थित भिखारी बाबा आश्रम पर शिवरात्रि की रात्रि में प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री संजय गौड़ जा पहुंचे और बाबा का आशीर्वाद लिया। इसके अलावा भगवान शंकर का पूजन–अर्चन किया और गौशाला में जाकर गौ माता को गुड़ खिलाया। भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट की ओर से मंत्री जी को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मंत्री जी ने आश्रम की सराहना करते हुए संचालन में हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। भिखारी बाबा ने बताया कि मंत्री जी की आश्रम पर आने की इच्छा बहुत दिनों से थी। जब प्रभु का बुलावा आया तो शिवरात्रि के अवसर पर मंत्री जी का आगमन आश्रम पर हुआ। उन्होंने भगवान शंकर का पूजन–अर्चन किया, उसके बाद आश्रम के गौशाला में जाकर गौ माता को गुड़ खिलाया। मंत्री जी ने आश्रम की सराहना करते हुए कहा कि आश्रम के संचालन में हर संभव सहयोग दिया जाएगा। मंत्री जी का भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट के द्वारा अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। इसके अलावा साथ में पहुंचे इंजीनियर रमेश पटेल व पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अमरेश पटेल का भी अंगवस्त्र देकर सम्मान किया गया। इस मौके पर वरिष्ठ समाज सेवी विशाल मौर्या, रामबाबू मोदनवाल, अरविंद उमर बैस, परमानंद महराज, सूरज जी महराज, इंद्रपती पांडे जी महराज, शुखराम जी महराज, भिखारी बाबा आश्रम की उत्तराधिकारी साध्वी .ष्णावती, विनीता गुप्ता, मधु उमर बैस, आकाश केसरी, देव उमर बैस, सोनू जायसवाल, सविता मिश्रा, कलावती चौबे, भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट की उपाध्यक्ष चिंता मौर्या आदि मौजूद रही।

श्री अग्रसेन कन्या पी.जी. कॉलेज में रक्तदान शिविर का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

वाराणसी। श्री अग्रसेन कन्या पी.जी. कॉलेज, वाराणसी के बुलानाला परिसर में महाविद्यालय के सामुदायिक सेवा केंद्र एवं दीनदयाल उपाध्याय राजकीय अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष श्री दीपक अग्रवाल श्लायनश् ने छात्राओं को रक्तदान के लिए प्रेरित किया और कहा की रक्तदान महापुण्य का कार्य है यह न केवल जरूरतमंदों को नया जीवन देता है बल्कि नियमित रक्तदान से रक्तदाता का शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है। प्रबंधक डॉ मधु अग्रवाल ने रक्तदान के लाभ को बताते हुए कहा की रक्तदान जीवन रक्षक का कार्य है। यह न केवल दूसरों को जीवन देता है बल्कि रक्तदाता के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है इससे आयरन का संतुलन बना रहता है जिससे हृदय रोग एवं स्ट्रोक का खतरा कम होता है। उन्होंने एंटीबायोटिक दवाओं के प्रयोग तथा उसके दुष्प्रभाव की भी जानकारी दी।इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राएं जयंती दुबे, इशिता तिवारी, वैभवी जायसवाल, आंचल तिवारी, आंचल गुप्ता, सृष्टि तिवारी ने रक्तदान किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष श्री दीपक अग्रवाल एवं प्रबंधक डॉ मधु अग्रवाल ने छात्राओं को सर्टिफिकेट भी प्रदान किया। इस अवसर पर दीनदयाल स्टाफ की टीम डॉ विजेंद्र सिंह, श्री रमेश चंद्र राय, श्री सत्येंद्र सिंह, प्रियंका गोस्वामी ,श्री सत्य प्रकाश सिंह, श्री नितेश यादव एवं शिव तथा महाविद्यालय के सामुदायिक केंद्र की समन्वयक डॉ नीलू गर्ग, सह समन्वयक डॉ भावना शर्मा, अधिष्ठाता छात्रा कल्याण प्रो अनीता सिंह, डॉ श्रृंखला, डॉ बंदनी, डॉ नीता दिशवाल, इत्यादि अनेक प्रवक्तागण तथा छात्राएं उपस्थित रही।

डाइट पर हैं तो बनाकर खाएं ये 5 तरह के सलाद, मिलेगा पोषण और बढ़ेगी ताकत

सलाद एक सेहतमंद खाना है, जो किसी भी भोजन का हिस्सा बन सकता है। यह स्वादिष्ट होने के साथ–साथ फाइबर और विटामिन से भरपूर होता है, जो पाचन को ठीक रखता है और शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता को भी बढ़ा सकता है। आज हम आपको 5 ऐसे सलाद की रेसिपी बताने वाले हैं, जिन्हें बनाने में ज्यादा समय नहीं लगता और ये पोषण और ताकत का भंडार होते हैं। इन्हें डाइट के दौरान खाया जा सकता है।

खीरे और पुदीने का सलाद

इसे बनाने के लिए सबसे पहले खीरे को धो कर छीलें, फिर उसे पतला–पतला काटें। अब एक कटोरे में खीरे के साथ बारीक कटी पुदीने की पत्तियां, नींबू का रस, काला नमक और चाट मसाला मिलाएं। इसके बाद इस सलाद में दही और जैतून का तेल डालकर अच्छे से मिलाएं। आखिर में इस पर थोड़ा–सा काला नमक डालकर परोसें। इस सलाद का स्वाद ताजगी भरा होता है और यह गर्मियों में ठंडक का अहसास कराता है।

मूली और गाजर का सलाद

मूली का सलाद बनाने के लिए सबसे पहले मूली को धो कर छीलें, फिर उसे कद्दूकस कर लें। अब गाजर को भी धो कर छीलें और उसे कद्दूकस करके मूली के साथ मिला दें। इसके बाद एक कटोरे में दोनों के साथ बारीक कटी हरी मिर्च, नींबू का रस, काला नमक और चाट मसाला मिलाएं। अंत में इस पर थोड़ा–सा भुना हुआ सफेद तिल डालकर परोसें। इसे आप चावल के व्यंजनों के साथ खा सकते हैं।

पत्तागोभी और सेब का सलाद

अगर आप अलग स्वाद वाला सलाद खाना चाहते हैं तो पत्तागोभी और सेब का सलाद बनाएं। सबसे पहले पत्तागोभी को धो कर कद्दूकस कर लें। अब सेब को धोकर उसके छोटे–छोटे टुकड़े काट लें। इसके बाद एक कटोरे में पत्तागोभी और सेब के साथ बारीक कटी हरी मिर्च, नींबू का रस, काला नमक और चाट मसाला मिलाएं। अंत में इस सलाद पर थोड़ा–सा सिरका छिड़ककर खाएं। यह सलाद आपके खाने में एक नया स्वाद जोड़ सकता है।

टमाटर और ककड़ी का सलाद

टमाटर और ककड़ी, दोनों ही में पानी की मात्रा ज्यादा होती है। ऐसे में यह सलाद गर्मी के मौसम के लिए सबसे बढ़िया रहेगा। इसे बनाने के लिए सबसे पहले टमाटर और ककड़ी को धो कर छीलें। इसके बाद इन्हें छोटे–छोटे टुकड़ों में काट लें। अब एक कटोरे में टमाटर और ककड़ी के साथ बारीक कटी हरी मिर्च, नींबू का रस, काला नमक और चाट मसाला मिलाएं। इस पर काली मिर्च और अन्य सीजनिंग भी छिड़की जा सकती हैं।

पालक और पनीर का सलाद

इसे बनाने के लिए सबसे पहले पालक को धो कर बारीक काट लें। अगर आप चाहें तो पालक को उबाल भी सकते हैं। इसके बाद पालक के साथ पनीर के छोटे–छोटे टुकड़े काटकर मिलाएं। अब इस पर थोड़ा नींबू का रस, काला नमक और चाट मसाला डालकर अच्छे से मिलाएं। अंत में इस पर थोड़ा–सा जैतून का तेल छिड़क दें, ताकि स्वाद बढ़ जाए। इसमें आप अन्य सब्जियां भी शामिल कर सकते हैं।

शांतिपूर्ण माहौल में हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षा शुरू

दैनिक बुद्ध का संदेश

बीजपुर/सोनभद्र। थाना क्षेत्र के चार परीक्षा केंद्रों पर बुधवार को कड़ी सुरक्षा के बीच 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा सकुशल शुरू हो गई । सुबह की पाली में कक्षा दसवीं की हिंदी विषय परीक्षा के साथ प्रारंभ हुई चारो परीक्षा केंद्र पर कुल 900 परीक्षार्थी का नामांकन था जिसमें 58 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली इंटरमीडिएट की हिंदी की परीक्षा 965 परीक्षार्थियों का नामांकन हुआ जिसमें से 63 विद्यार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। शिवम संकल्प इंटर कॉलेज के केंद्र व्यवस्थापक विनोद शुक्ला ने बताया की हमारे परीक्षा केंद्र पर हाई स्कूल में 295 परीक्षार्थी पंजी.त थे जिसमे 28 बच्चे अनुपस्थित रहे और इंटरमीडिएट की हिंदी परीक्षा में 169 में से 12 विद्यार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। गुरुकुल इंटर मीडिएट कालेज सेवकाडाँड़ के व्यवस्थापक मार्तण्ड देव पांडेय ने बताया कि हमारे यहाँ प्रथम पाली हाई स्कूल में 280 विद्यार्थियों का नामंकन हुआ जिसमें 19 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे और दूसरी पाली इंटरमीडिएट में 203 विद्यार्थियों का नामांकन हुआ जिसमें 07 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। वही अंबेडकर इंटर कॉलेज राजमिलान के केंद्र व्यवस्थापक .पा शंकर ने बताया कि हाई स्कूल में 148 में 10 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे । दूसरी पाली इंटरमीडिएट की परीक्षा में 342 परीक्षार्थियों में 17 अनुपस्थित रहे। प्रभावती सिंह इंटर कॉलेज जरहा के केंद्र व्यवस्थापक सचिन कुमार सिंह ने बताया कि हाई स्कूल में 196 परीक्षार्थी परीक्षा के लिए पंजी.त थे जिसमे 13 अनुपस्थित रहे वही दूसरी पाली की इंटर की परीक्षा में 251 में से 27 अनुपस्थित रही।वार्षिक परीक्षा को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर स्टैटिक मजिस्ट्रेट विकास दुबे, अरविंद कुँवर,इंद्रेश कुमार,पुलिस बल सुरक्षा व्यवस्था में मुस्तैदी से तैनात रही।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक :- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टावर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ0प्र0-271201 से प्रकाशित । आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 । सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

3 राज्य, 3 कहानियां और प्यार के नाम पर धर्मांतरण, द केरल स्टोरी 2 का दमदार ट्रेलर जारी, लव–जिहाद की भयावह सच्चाई उड़ा देगी होश

अदा शर्मा स्टारर द केरल स्टोरी 2023 में रिलीज हुई थी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही. अब, मेकर्स द केरल स्टोरी 2 गोज बियॉन्ड नाम का एक सीक्वल लेकर आ रहे हैं. इसे नेशनल अवॉर्ड–विनिंग फिल्ममेकर कामाख्या नारायण सिंह ने डायरेक्ट किया है. मेकर्स ने द केरल स्टोरी 2 गोज बियॉन्ड का ट्रेलर जारी किया. फिल्म के ट्रेलर के मैसेज ने सनसनी मचा दी है.

सनसाइन पिक्चर ने मंगलवार को द केरल स्टोरी 2 गोज बियॉन्ड का ट्रेलर लॉन्च किया है. इसे इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, उन्होंने हमारी बेटियों को टारगेट किया. उन्होंने उनका भरोसा तोड़ा. उन्होंने उनका भविष्य चुरा लिया. इस बार, हम चुप नहीं रहेंगे. कहानी आगे तक जाती है. इस बार सहेंगे नहींज् लड़ेंगे. द केरल स्टोरी 2 गोज बियॉन्ड का ट्रेलर अब आ गया है. 27 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में.

द केरल स्टोरी 2 गोज बियॉन्ड के ट्रेलर की शुरुआत एक टारगेट से होता है, जिसमें एक शख्स कहता है कि अगले 25 सालों में पूरा भारत एक इस्लामिक स्टेट होगा और पूरे भारत में शरिया लागू होगा. फिर कहानी राजस्थान में बदल जाती है, जहां एक हिंदू परिवार पुलिस स्टेशन जाता है और आरोप लगाता है कि उनकी 16 साल की बेटी को जबरदस्ती धर्म बदलने के लिए मजबूर किया गया है. फिर अगला सीन मध्य प्रदेश का होता है, जहां एक जवान हिंदू लड़की को झूठे बहाने से शादी के लिए बहला–फुसलाकर धर्म बदलने के लिए मजबूर किया जाता है. इसके बाद केरल की स्टोरी आती है, जहां एक मुस्लिम आदमी अपनी हिंदू गर्लफ्रेंड को लिव–इन रिलेशनशिप में रहने का प्रपोजल देता है. जब वह धर्म बदलने से मना कर देती है, तो मामला बिगड़ जाता है, जिससे धर्म और अपनी पसंद के बीच टकराव पैदा हो जाता है. तीसरा हिस्सा दर्शकों को केरल वापस ले जाता है। एक मुस्लिम आदमी अपनी हिंदू गर्लफ्रेंड को लिव–इन रिलेशनशिप में रहने का प्रपोजल देता है। जब वह साफ–साफ कहती है कि वह धर्म नहीं बदलेगी, पहले तो वह मान जाता है, लेकिन बाद में उसे बीफ खाने के लिए मजबूर किया जाता है और वह और उसका परिवार उसे बंदी बना लेते हैं. ट्रेलर में जबरदस्ती धर्म बदलने वाले टॉर्चर और उनके परिवारों की अपनी बेटियों को घर वापस लाने की लड़ाई की डरावनी झलक दिखाई गई है. कामाख्या नारायण सिंह के डायरेक्शन और विपुल अमृतलाल शाह और सनशाइन पिक्चर्स के सपोर्ट में बनी द केरल स्टोरी 2 गोज बियॉन्ड तीन लड़कियों पर आधारित है, जिनका रोल उल्का गुप्ता, अदिति भाटिया और ऐश्वर्या ओझा ने किया है.तीन मुस्लिम आदमियों के साथ उनके रिश्ते फिल्म का फोकस हैं.ट्रेलर से पता चलता है कि यह धर्म बदलने का एक सोचा–समझा एजेंडा है. ट्रेलर में तीन राज्यों की तीन कहानी दिखाई गई है. इस्लामीकरण के खौफनाक मंजर को दिखाने वाली यह फिल्म 27 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है.

परफेक्ट मुस्कान के पीछे उम्मीदों के बोझ को तलाशती संदीपा धर

ऐसी दुनिया में जहाँ परफेक्शन की सराहना तो होती है, लेकिन उसके पीछे छिपी भावनाओं को शायद ही कोई समझना चाहता है, वहां संदीपा धर दो दीवाने सहर में में नैना के एक बेहद संवेदनशील किरदार के साथ सामने आ रही हैं। नैना एक ऐसी युवती है, जो बाहर से पूरी तरह सुलझी हुई, आत्मविश्वासी और परफेक्ट दिखती है, लेकिन भीतर ही भीतर अपनी पहचान, अकेलेपन और अपेक्षाओं के बोझ से जूझ रही है। विशेष रूप से

सलीके से सजी मुस्कान और सहज अंदाज के पीछे छिपी एक ऐसी कहानी, जो अपने अस्तित्व के साथ हर हाल में ठीक दिखने की थकान को बयां करती है। अपने किरदार नैना के बारे में बात करते हुए संदीपा कहती हैं, नैना वो लड़की है, जिसमें हममें से बहुत से लोग खुद को देख सकते हैं। वो मुस्कुराती है, हर जिम्मेदारी निभाती है और बाहर से लगता है कि सब कुछ कंट्रोल में है। लेकिन अंदर ही अंदर वो खुद से कटी हुई है, जैसे वो अपनी ही जिंदगी में एक किरदार निभा रही हो और असली खुद को भूल चुकी हो। हालांकि आज के समय में ये दबाव बहुत आम बात है, जहां हर हाल में ठीक दिखने की अपेक्षा की जाती है, फिर चाहे आपके अंदर कुछ भी चल रहा हो। फिल्म की भावनात्मक गहराई पर बात करते हुए संदीपा आगे कहती हैं, दो दीवाने सहर में मुझे इसलिए खास लगी क्योंकि यह नजरअंदाज होने की भावना को बेहद खूबसूरती से दिखाती है। कई बार जितना ज्यादा आप परफेक्ट दिखते हैं, उतना ही मुश्किल हो जाता है ये स्वीकार करना कि अंदर कुछ टूट रहा है। सच खून तो नैना की जर्नी आईने के सामने खड़े होने और शायद पहली बार खुद से ईमानदार होने की है। अपने किरदार से जुड़ी उम्मीदों पर संदीपा कहती हैं, मुझे यकीन है कि फिल्म देखने के बाद लोग खुद से ये जरूर पूछेंगे कि दुनिया की उम्मीदों से परे वे कौन हैं? हालांकि मेरी कोशिश है कि वे खुद को देखा हुआ महसूस करें, क्योंकि हर शांत और सधे हुए चेहरे के पीछे एक कहानी होती है, जो हमेशा सुनी नहीं जाती। सच पूछिए तो 20 फरवरी को रिलीज हो रही फिल्म दो दीवाने सहर में के जरिए संदीपा धर दर्शकों को उन मुखौटों पर सवाल उठाने का, जिन्हें हम रोज पहनते हैं, और उन आईनों से सामना करने का, जिनसे हम अक्सर नजरें चुरा लेते हैं का मौका देती हैं। इसी के साथ नैना की कहानी के माध्यम से यह फिल्म कई दिलों की सच्चाई को न सिर्फ सामने लाने की कोशिश करती है, बल्कि उन्हें थोड़ा सुकून भी देती है।

बॉर्डर 2 के बाद फिर गदर मचाएंगे सनी देओल, लाहौर 1947 की रिलीज डेट का हुआ ऐलान

बॉलीवुड के एक्शन किंग सनी देओल एक बार फिर बड़े पर्दे पर ध माल मचाने आ रहे हैं. उनकी अपकमिंग फिल्म लाहौर 1947 की रिलीज डेट आधिकारिक तौर पर घोषित कर दी गई है. आमिर खान प्रोडक्शंस ने इसकी घोषणा की कि फिल्म 13 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. ये तारीख स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) के हफ्ते में आती है, जो फिल्म की थीम को और भी खास बनाती है. लाहौर 1947 एक पीरियड ड्रामा है, जो 1947 के भारत–पाकिस्तान विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित है. फिल्म में सनी देओल मुख्य भूमिका में हैं, जबकि प्रीति जिंटा (7 साल बाद बॉलीवुड में वापसी), शबाना आजमी, करण देओल, मिथुन चक्रवर्ती, अली फजल और अभिमन्यु सिंह जैसे दिग्गज कलाकार नजर आएंगे. निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया है, जो सनी देओल के साथ घायल, दामिनी, गदर जैसी हिट फिल्में बना चुके हैं. ये पहली बार है जब सनी देओल, राजकुमार संतोषी और आमिर खान एक साथ काम कर रहे हैं. फिल्म का संगीत ए. आर. रहमान ने कंपोज किया है और गाने जावेद अख्तर के लिखे हैं. शूटिंग फरवरी 2024 में शुरू हुई और अक्टूबर 2025 में पूरी हुई. पहले ये फिल्म 26 जनवरी 2025 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन पोस्ट–प्रोडक्शन में देरी के कारण अब अगस्त 2026 में आ रही है. आमिर खान ने स्टेटमेंट में कहा– ये स्क्रिप्ट धर्मेंद्र जी की सबसे पसंदीदा थी. सनी देओल के लिए ये फिल्म बॉर्डर 2 के बाद एक और बड़ा प्रोजेक्ट है. गदर 2 की सफलता के बाद फैंस उन्हें फिर से पावरफुल रोल में देखने के लिए बेताब हैं. विभाजन की संवेदनशील कहानी को राजकुमार संतोषी के डायरेक्शन में देखना रोमांचक होगा. फिल्म में इमोशन, एक्शन और ऐतिहासिक ड्रामा का मिश्रण होगा, जो ऑडियंस को थिएटर तक खींचेगा. ट्रेलर और पोस्टर का इंतजार अब और बढ़ गया है. बॉलीवुड में ये फिल्म इंडिपेंडेंस डे वीक में धमाल मचाने वाली है.

ओ रोमियो का नया गाना जलवा जारी, दुश्मनों पर दहाड़ते दिखे शाहिद कपूर

शाहिद कपूर की हालिया रिलीज फिल्म श्ओ रोमियोच् सिनेमाघरों में दर्शकों का ध्यान आकर्षित कर रही है। इसी बीच निर्माताओं ने फिल्म का नया गाना श्जलवाच् जारी कर दिया है, जो अपने तीव्र संगीत और जोशीले अंदाज के कारण चर्चा में है। इस गाने के बोल मशहूर गीतकार गुलजार ने लिखे हैं, जबकि इसे आवाज सोबा सिंह सितारा ने दी है। संगीत निर्देशन विशाल भारद्वाज का है। श्जलवाच् की धुन दमदार और ऊर्जावान है, जो फिल्म की कहानी के भावनात्मक और तीखे मोड़ों को और प्रभावशाली बनाती है। गाने में संगीत और शब्दों का संयोजन दर्शकों को तुरंत आकर्षित करता है।

गाने को टी–सीरीज के आधिकारिक यूट्यूब चौनल पर रिलीज किया गया है। इसे साझा करते हुए शाहिद कपूर ने सोशल मीडिया पर लिखा, शोले की तरह, फलक चूम के, जलवा मेरे आशिक का बड़ी धूम से निकला। इस पंक्ति ने प्रशंसकों के बीच उत्साह और बढ़ा दिया है। वीडियो में शाहिद कपूर का किरदार गुस्से और बदले की भावना से भरा नजर आता है। उनके एक्सप्रेशन और स्क्रीन प्रेजेंस गाने को और प्रभावशाली बनाते हैं। अधिकतर दृश्य फिल्म के अहम पलों से लिए गए हैं, जिससे दर्शकों को कहानी की झलक भी मिलती है।

13 फरवरी को रिलीज हुई इस फिल्म में तृप्ति डिमरी, अविनाश तिवारी, नाना पाटेकर, दिशा पाटनी, विक्रांत मैसी और तमन्ना भाटिया भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। दमदार स्टारकास्ट और भावनात्मक कहानी के कारण फिल्म को दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है।

श्जलवाच् के रिलीज होने के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्साह और बढ़ गया है। सोशल मीडिया पर गाने की धुन और शाहिद के इंटेंस लुक की खूब चर्चा हो रही है। माना जा रहा है कि यह गाना फिल्म की लोकप्रियता को और मजबूती देगा।

ब्रिज एक्सरसाइज को वर्कआउट रूटीन में शामिल करने से मिल सकते हैं ये 5 फायदे

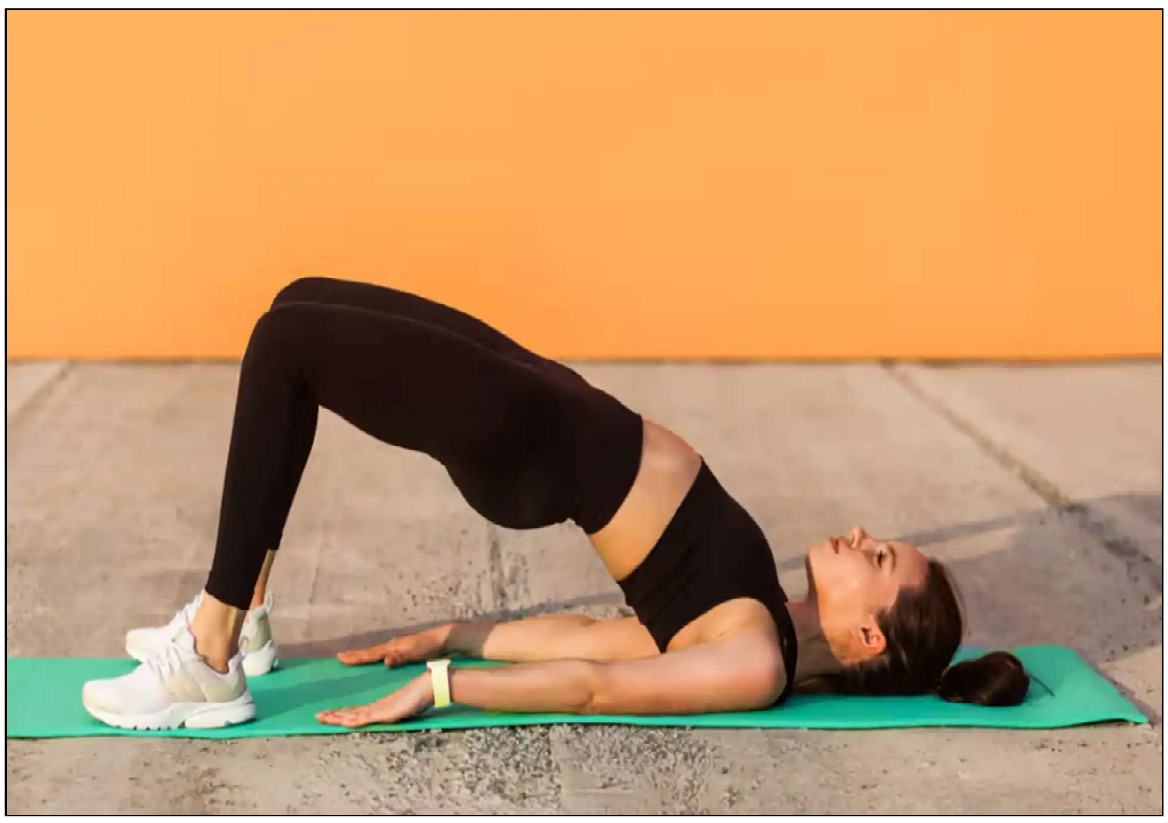

ब्रिज एक्सरसाइज एक सरल और असरदार एक्सरसाइज है, जो आपके शरीर के संतुलन और स्थिरता को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है। यह एक्सरसाइज पीठ, कूल्हों और पेट की मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए बहुत अच्छी है। इसके अलावा यह शरीर में खून के बहाव को भी सुधार सकती है। इस लेख में हम आपको ब्रिज एक्सरसाइज से मिलने वाले फायदों के बारे में बताएंगे, ताकि आप इसका पूरा लाभ उठा सकें।

पीठ दर्द से मिलती है राहत

अगर आपको पीठ दर्द की समस्या रहती है तो ब्रिज एक्सरसाइज आपके लिए बहुत फायदेमंद हो सकती है। इस एक्सरसाइज को करने से आपकी पीठ की मांसपेशियां मजबूत हो सकती हैं, जिससे दर्द में राहत मिलती है। आपको बस इतना करना है कि जमीन पर पीठ के बल लेटकर अपने पैरों को घुटनों से मोड़ लेना है और हाथों को अपने शरीर के पास रखना है। अब धीरे–धीरे कूल्हों को ऊपर–नीचे करना है।

कूल्हे होते हैं मजबूत

ब्रिज एक्सरसाइज आपके कूल्हों को मजबूत बनाने में भी योगदान दे सकती है। इसे नियमित रूप से करने से कूल्हों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और उनमें लचीलापन आता है। इसके अलावा यह एक्सरसाइज आपके कूल्हों को आकार भी दे सकती है। ब्रिज एक्सरसाइज पेल्विस और कोर को स्थिर करती है, जिससे आस–पास के जोड़ों पर तनाव कम होता है और पीठ के निचले हिस्से में होने वाले दर्द से भी राहत मिल जाती है।

पेट की चर्बी होती है कमः ब्रिज एक्सरसाइज पेट की चर्बी कम करने में भी मददगार साबित हो सकती है। इस एक्सरसाइज को करने से आपके पेट की मांसपेशियां टोन हो सकती हैं और चर्बी घटाने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा यह एक्सरसाइज आपके पूरे शरीर की फिटनेस को भी बढ़ावा दे सकती है। ब्रिज एक्सरसाइज पेट की गहरी मांसपेशियों को सक्रिय करती हैं, जिसमें ट्रांसवर्सस एब्डोमिनिस भी शामिल है। इससे पेट के मध्य भाग को कसने में मदद मिलती है।

सुधरता है खून का बहाव

ब्रिज एक्सरसाइज खून के बहाव को भी सुधारती है। जब आप इस एक्सरसाइज को करते हैं तो आपके शरीर में खून का प्रवाह बेहतर होता है, जिससे आपकी त्वचा और बाल भी स्वस्थ रहते हैं। यह एक्सरसाइज विशेष रूप से शरीर के निचले हिस्से, रीढ़ की हड्डी और मस्तिष्क में खून के बहाव को बेहतर करती है। इसके अलावा यह एक्सरसाइज आपके पूरे शरीर की फिटनेस को भी बढ़ावा देता है।

मिलती है मानसिक शांतिः ब्रिज एक्सरसाइज मानसिक शांति प्रदान करने में भी सहायक होती है। जब आप नियमित रूप से इस एक्सरसाइज को करते हैं तो आपका मन शांत रहता है, जिससे तनाव कम होता है और आपकी सोचने–समझने की क्षमता बढ़ सकती है। एक सौम्य बैकबेंड के रूप में यह शारीरिक परिश्रम को गहरी सांस लेने के साथ मिलाकर तंत्रिका तंत्र को शांत करने में सहायक होती है। इसे करने से चिंता और अवसाद से भी छुटकारा मिल सकता है।